RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6 , अंकः340, रविवार, 25 जनवरी 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

निजी विद्यालयों की मनमानी पर प्रशासन सख्त, अभिभावकों को मिली बड़ी राहत 03

नेपाल–भारत संबंधों की मजबूती के लिए जिम्मेदार मीडिया आवश्यकः मंत्री 04

तस्करी में प्रिया बनकर छाईं जोया अफरोज, कहा- इस बार किरदार... 07

कांग्रेस के किसी भी स्टैंड का नहीं किया है विरोध

- थरूर बोले-केवल ऑपरेशन सिंदूर के मुद्दे पर असहमति थी, इसके लिए माफी नहीं मांगूंगा

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने शनिवार को कहा कि मैंने पार्लियामेंट में कांग्रेस के किसी भी स्टैंड का किसी भी स्टेज पर विरोध नहीं किया है। एकमात्र मुद्दा

ऑपरेशन सिंदूर था, जिस पर सिद्धांत के आधार पर पब्लिक में असहमति हुई। उन्होंने कहा- इस मामले पर मैंने बहुत मजबूत स्टैंड लिया था। मैं उसके लिए कोई माफी नहीं मांगूंगा। पहलगाम की घटना के बाद, मैंने खुद एक कॉलम लिखा था। मैंने इसमें कहा था कि ऐसी घटना को बिना सजा के नहीं छोड़ा जा सकता और इसका जवाब देना जरूरी है। तिरुवनंतपुरम से सांसद थरूर ने ये बातें शनिवार को कोझिकोड में आयोजित केरल लिटरेचर फेस्टीवल के दौरान कहीं। वह वहां दर्शकों के सवालों का जवाब दे रहे थे। ऑपरेशन सिंदूर के मुद्दे पर कड़े रुख का कोई पछतावा नहीं है।

भारत को विकास पर ध्यान देना चाहिए और पाकिस्तान के साथ लंबे संघर्ष में नहीं उलझना चाहिए। किसी भी कार्रवाई को आतंकवादी शिविरों तक ही सीमित रखा जाना चाहिए। मुझे हैरानी हुई कि भारत सरकार ने वही किया, जैसा मैंने सुझाया था। जवाहरलाल नेहरू ने कहा था अगर भारत मर जाता है, तो कौन जीवित रहेगा। उनका कहना था कि जब देश की सुरक्षा और दुनिया में उनकी स्थिति का सवाल हो, तो भारत सबसे पहले आता है। मतभेद हो सकते हैं, मनभेद नहीं।

तिरुवनंतपुरम नगर-निगम ने बीजेपी पर लगाया जुर्माना

यहां बीजेपी का ही मेयर ,पीएम के दौरे पर फ्लैक्स बोर्ड लगाने को लेकर पुलिस केस भी दर्ज

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। तिरुवनंतपुरम नगर निगम ने भारतीय जनता पार्टी पर 19.7 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। ये जुर्माना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के केरल दौरे के दौरान शहर में फुटपाथों पर फ्लेक्स बोर्ड लगाने पर लगाया गया है। बोर्ड लगाने से क्षेत्र के लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा था। न्यूज एजेंसी के मुताबिक तिरुवनंतपुरम नगर निगम के सचिव की शिकायत के बाद कैंटोनमेंट पुलिस ने शुक्रवार देर रात बीजेपी जिला अध्यक्ष करमना जयन के खिलाफ मामला दर्ज किया। दिसंबर में हुए नगर निगम चुनाव में तिरुवनंतपुरम में बीजेपी ने 50 सीटें जीती थीं। इसके बाद 26 दिसंबर को बीजेपी के वीवी राजेश को यहां का मेयर बनाया गया था। केस में केरल हाई कोर्ट के कई आदेशों और स्थानीय स्वशासन विभाग द्वारा जारी निर्देशों का उल्लंघन का आरोप है। इसमें कहा गया कि बीजेपी जिला समिति ने प्रधानमंत्री के दौरे के हिस्से के रूप में फुटपाथों पर फ्लेक्स बोर्ड लगाए। इससे पालियम जंक्शन से पुलिमूडु जंक्शन तक जनता को असुविधा हुई। भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 (लोक सेवक द्वारा विधिवत जारी किए गए आदेशों की अवज्ञा) और 285 और धारा 120 के तहत दर्ज किया गया है।

26 जनवरी को दुनिया देखेगी भारत की असली ताकत !

- अबकी बार बहुत ही खास है अपनी गणतंत्र दिवस की परेड
- पहली बार लंबी दूरी की मारक क्षमता वाली 'सूर्यास्त्र' शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। हर साल 26 जनवरी को देशभर में धूमधाम से गणतंत्र दिवस मनाया जाता है।

इस बार भारत अपना 77वां गणतंत्र दिवस मनाएगा। राष्ट्रीय राजधानी में 26 जनवरी को होने वाली गणतंत्र दिवस परेड में इस बार कई अन्य अभूतपूर्व चीजें भी देखने को मिलेंगी। दिल्ली में कर्तव्य पथ पर आयोजित होने वाली गणतंत्र दिवस परेड में पहली बार लंबी दूरी तक मारक क्षमता वाली रॉकेट लॉन्चर प्रणाली 'सूर्यास्त्र', नवगठित भैरव लाइट कमांडो बटालियन, जांस्कर टट्टू और बैक्ट्रियन ऊंट शामिल होंगे।

शक्तिबाण रेजीमेंट भी आएगी सामने- एक अभूतपूर्व पहल के रूप में, घुड़सवार 61वीं

कैवलरी के दल के सदस्य युद्ध सामग्री से लैस दिखाई देंगे और स्वदेशी उपकरणों सहित प्रमुख सैन्य साजो-सामान कर्मियों के साथ ''चरणबद्ध युद्ध संरचना'' में कर्तव्य पथ पर आगे बढ़ेंगे। इस परेड में शक्तिबाण रेजिमेंट भी पहली बार सामने आएगी। यह नवगठित रेजिमेंट ड्रोन और ड्रोन-रोधी उपकरणों से भी लैस होगी।

त्रि-सेवा झांकी होगी आकर्षण का केंद्र

गणतंत्र दिवस परेड में इस वर्ष भारतीय सशस्त्र बलों की त्रि-सेवा झांकी भी आकर्षण का केंद्र रहेगी। कर्तव्य पथ पर भारतीय सशस्त्र बलों की झांकी 'ऑपरेशन सिंदूर' जॉइंटनेस के माध्यम से विजय' को दर्शाएगी। यह झांकी भारत की विकसित होती सैन्य सोच का सशक्त और प्रभावी प्रदर्शन है। इसमें बताया गया है कि सटीक हमला, तीनों सेनाओं का तालमेल और स्वदेशी ताकत जीत का सबसे अहम आधार हैं। यह इस बात का ठोस संदेश है कि अब भारत निर्णायक, संयुक्त और आत्मनिर्भर सैन्य शक्ति के दौर में पूरी मजबूती से खड़ा है। गौरतलब है कि भारतीय सेनाओं ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत बीते साल पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में कुल नौ आतंकी ठिकानों को नष्ट किया था। ऑपरेशन सिंदूर आत्मनिर्भर भारत की बढ़ती ताकत को भी दर्शाता है।

भारतीय सेना की छह टुकड़ियां होंगी शामिल

भारतीय सेना की छह मार्चिंग टुकड़ियां गणतंत्र दिवस परेड में शामिल होंगी। इनमें मिक्स्ड स्काउट्स, राजपूत रेजीमेंट, असम रेजीमेंट, जम्मू-कश्मीर लाइट इन्फैंट्री, रेजिमेंट ऑफ आर्टिलरी व भैरव बटालियन शामिल हैं। इनके अलावा नौसेना, वायुसेना, अर्धसैनिक बल और दिल्ली पुलिस की टुकड़ियां भी कदम से कदम मिलाती दिखेंगी। परेड में सेना की जबरदस्त मारक क्षमता का परिचय भी मिलेगा। यहां टी-90 भीष्म और अर्जुन टैंक प्रदर्शित किए जाएंगे। बीएमपी-2 सारथ और मिसाइल सिस्टम, ध्रुव, रुद्र, अपाचे और प्रचंड हेलीकॉप्टर, आकाश, एमआरएसएएम और ब्रह्मोस मिसाइल सिस्टम भी गणतंत्र दिवस परेड का हिस्सा बनेंगे। इस भव्य परेड में करीब 6,065 व्यक्ति शामिल होंगे। परेड की कमान लेफ्टिनेंट जनरल भावनिश कुमार के हाथ में होगी। साथ ही 12 मिलिट्री बैंड और 8 पाइप बैंड माहौल को और भी शानदार बनाएंगे। कुल मिलाकर, 77वीं गणतंत्र दिवस परेड भारतीय सेना की उस नई तस्वीर को दिखाएगी, जो आधुनिक है, तकनीक से लैस है, स्वदेशी ताकत पर भरोसा करती है और हर चुनौती के लिए पूरी तरह तैयार है।

शाह ने यूपी विधानसभा चुनाव का किया शंखनाद

- लखनऊ में बोले-सपा-बसपा परिवारवादी, ये आपका कल्याण नहीं करेंगी

लखनऊ (एजेंसी)। गृहमंत्री अमित शाह ने लखनऊ में यूपी विधानसभा चुनाव-2027 का शंखनाद कर दिया।

शाह ने लोगों से कहा- सपा, बसपा और कांग्रेस जातिवादी और परिवारवादी पार्टियां हैं। ये आपका कल्याण नहीं सकतीं। 2027 में ऐसी पार्टियों को रिजेक्ट कर एक बार फिर भाजपा की प्रचंड बहुमत की सरकार बनाएं। यूपी का कल्याण सिर्फभाजपा ही कर सकती है। शाह यूपी दिवस

समारोह के लिए लखनऊ आए थे। उन्होंने 24-26 जनवरी तक चलने वाले समारोह का उद्घाटन किया। हर जिले के पारंपरिक व्यंजनों को दुनियाभर में पहचान दिलाने के लिए एक जनपद, एक व्यंजन योजना की शुरुआत भी की। उन्होंने जय श्रीराम का जयकारा लगाकर अपने संबोधन की शुरुआत की। भारत माता की जय के भी नारे लगाए। लोगों से कहा- आज यूपी दिवस है भाई, लखनऊ वालों की आवाज को क्या हो गया। इसके बाद लोगों ने जोर से शाह के साथ नारे लगाए।

- **सनातन धर्म को अनंत ऊंचाइयों तक पहुंचाने का काम किया-** शाह ने कहा- प्रयागराज में महाकुंभ का विराट आयोजन किया गया। हमारे सनातन धर्म को अनंत ऊंचाइयों तक पहुंचाने का काम किया गया। अब उत्तर प्रदेश इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग में भी 11 फीसदी विकास के साथ आगे बढ़ रहा है। यूपी में डेटा सेंटर सेमीकंडक्टर की फैक्ट्रियां लग रही हैं। 2017 के पहले कोई कल्पना नहीं कर सकता था कि उत्तर प्रदेश में सेमीकंडक्टर भी बनेगा। यूपी कानून व्यवस्था ऐतिहासिक सुधार हुआ है। डकैती में 82 प्रतिशत की कमी आई है।

पीएम ने 61 हजार से अधिक युवाओं को दी बड़ी सौगात

- रोजगार मेले में मोदी ने युवाओं को सौंपे नियुक्ति पत्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री मोदी ने शनिवार को रोजगार मेले में सरकारी नौकरियों के 61,000 नियुक्ति पत्र सौंपे। 18वें रोजगार मेले के तहत विभिन्न सरकारी विभागों और संगठनों में ये नियुक्तियां की जाएंगी। इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा,आज के इस महत्वपूर्ण दिन देश के 61 हजार से अधिक नौजवान जीवन की नई शुरुआत कर रहे हैं। आज आप सभी को

सरकारी सेवाओं के नियुक्ति पत्र मिल रहे हैं। ये एक तरह से नेशन बिल्डिंग का इनविटेशन लेटर है। यह विकसित भारत के निर्माण को गति देने का संकल्प पत्र है। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पीएम मोदी ने कहा, साल 2026 का आरंभ आपके जीवन में नई खुशियों का आरंभ कर रहा है। इसके साथ ही जब बसंत पंचमी कल ही गई है तो आपके जीवन में भी ये नई बसंत का आरंभ हो रहा है। आपको ये समय संविधान के प्रति अपने दायित्वों से भी जोड़ रहा है। संयोग से इस समय देश में गणतंत्र का महापर्व चल रहा है।

- **तेजी से बदलती टेक्नोलॉजी का दौर-** पीएम मोदी ने कहा कि तेजी से बदलती टेक्नोलॉजी के इस दौर में देश की जरूरतें और प्राथमिकताएं भी तेजी से बदल रही हैं। इस तेज बदलाव के साथ आपको खुद को अपग्रेड करते रहना है। उन्होंने कहा, मुझे खुशी है कि इतने कम समय में करीब डेढ़ करोड़ सरकारी कर्मचारी इस प्लेटफॉर्म से जुड़कर खुद को नए सिरे से ट्रेंड कर रहे हैं, इम्पॉवर कर रहे हैं। हम सभी के लिए एक मंत्र है- नागरिक देवो भवः।

बॉलीवुड सिंगर सुनिधि चौहान अब नहीं गाएंगी 'बीड़ी जलाई ले'

- चंडीगढ़ के प्रोफेसर की शिकायत पर चाइल्ड राइट्स कमीशन का नोटिस; कहा- बुरा असर पड़ेगा

चंडीगढ़ (एजेंसी)। फेमस बॉलीवुड सिंगर सुनिधि चौहान को चंडीगढ़ के प्रोफेसर डॉ. पंडित राव धरेन्नावर की शिकायत पर नोटिस जारी किया गया है। यह नोटिस दक्षिण गोवा जिला बाल संरक्षण इकाई ने जारी किया है। इसमें सिंगर को बीड़ी जलाई ले और शराबी या ऐसे ही सॉन्ग गाने ना देने के कहा गया है। बता दें कि सिंगर का कल या यानि 25 जनवरी को गोवा के 1919 स्पोर्ट्स क्रिकेट स्टेडियम में 'द अल्टीमेट सुनिधि लाइव कॉन्सर्ट है। इसे लेकर प्रोफेसर डॉ. धरेन्नावर ने शिकायत की थी, जिसमें आयोजकों को बच्चों की मौजूदगी में तंबाकू और शराब को बढ़ावा देने वाले गाने न बजाने की एडवाइजरी की मांग की थी।

भारत ही नहीं, अब 40 देशों में होगा एसआईआर

- चुनाव आयोग के दिल्ली डिक्लेरेशन पर बनी सहमति

नई दिल्ली (एजेंसी)। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का कार्य अब सिर्फ भारत तक ही सीमित नहीं रहेगा, बल्कि अधिकांश लोकतांत्रिक देशों के चुनाव प्रबंधन निकायों ने अपने यहां मतदाता सूची के शुद्धीकरण के लिए इसी तरह का तरीका अपनाने पर बल दिया है। भारत के निर्वाचन आयोग द्वारा 'लोकतंत्र और चुनाव प्रबंधन' पर आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने आए 42 देशों के चुनाव प्रबंधन निकायों और 27 देशों

के मिशन प्रमुख ने सर्वसम्मति से अपने यहां भी मतदाता सूची के शुद्धीकरण के लिए अपनी-अपनी प्रतिबद्धता जाहिर की।

'लोकतंत्र और चुनाव प्रबंधन पर भारत के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन' (आईआईसी डीईएम-2026) के अंतिम दिन विभिन्न देशों के चुनाव प्रबंधन निकायों ने 'शुद्ध' मतदाता सूची बनाने और हर मतदाता को फोटो पहचान पत्र देने पर ध्यान केंद्रित करने का फैसला किया है।

- **शुद्ध मतदाता सूची लोकतंत्र की नींव-** समापन सत्र में ज्ञानेश कुमार ने कहा, कानून के अनुसार सभी मतदाताओं के नाम वाली शुद्ध मतदाता सूची किसी भी लोकतंत्र की नींव है। निकायों को चुनावों के आसान और पारदर्शी संचालन के लिए सभी मतदाताओं को फोटो पहचान पत्र प्रदान करने का प्रयास करना चाहिए। सम्मेलन में 42 देशों के चुनाव प्रबंधन निकायों के प्रमुखों/प्रतिनिधियों और 27 देशों के मिशन प्रमुखों सहित लगभग 1,000 लोगों ने भाग लिया।

बहुत जल्द भारत बनाएगा अपना स्पेस स्टेशन

- इसरो ने शुरू किया काम ,एक और छलांग की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) अंतरिक्ष विज्ञान की दुनिया में एक और छलांग लगाने की तैयार कर रहा है। स्पेस एजेंसी ने अपनी अब तक की सबसे महत्वाकांक्षी परियोजना भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन की नींव रख दी है। भारतीय उद्योग जगत को साथ आने का न्योता दिया है। यह कदम भारत को उन चुनिंदा देशों की कतार में खड़ा कर देगा जिनके पास अंतरिक्ष में अपना स्थायी ठिकाना (स्टेशन) है। विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र ने भारतीय कंपनियों के लिए एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट जारी किया है। इसके जरिए निजी क्षेत्र की कंपनियों को अंतरिक्ष स्टेशन के पहले मॉड्यूल, ईआर-01 के निर्माण के लिए आमंत्रित किया गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, पहले चरण की शुरुआत 2028 में होगी। इसमें अंतरिक्ष स्टेशन के पहले मॉड्यूल (ईआर-01) को लॉन्च करने का लक्ष्य रखा गया है। 2035 तक इसे पूर्ण कर लिया जाएगा। सभी 5 मॉड्यूल्स के साथ स्टेशन पूरी तरह तैयार हो जाएगा। यह पृथ्वी की निचली कक्षा में लगभग 400-450

किमी की ऊंचाई पर स्थापित होगा। शुरुआत में यह 3-4 अंतरिक्ष यात्रियों को ठहराने और वहां वैज्ञानिक प्रयोग करने में सक्षम होगा। इसरो ने भारतीय कंपनियों के लिए कड़े मानक तय किए हैं, क्योंकि यह मॉड्यूल इंसानों के रहने योग्य होगा। प्रत्येक मॉड्यूल 3.8 मीटर व्यास और 8 मीटर ऊंचा होगा। इसका निर्माण उच्च शक्ति वाले एल्युमिनियम मिश्र धातु (2219) से किया जाएगा। निर्माण में 0.5 मिलीमीटर की भी गलती स्वीकार्य नहीं होगी। कंपनियों को विशेष वेल्डिंग और फैब्रिकेशन तकनीक विकसित करनी होगी। इसरो ने स्पष्ट किया है कि यह पूरी तरह भारतीय प्रयास होगा। इसमें किसी भी विदेशी सहायता या आउटसोर्सिंग की अनुमति नहीं होगी। जो कंपनियां इस ऐतिहासिक प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना चाहती हैं उनके लिए कुछ शर्तें रखी गई हैं। कम से कम 5 साल का एरोस्पेस निर्माण का अनुभव हो। पिछले 3 वर्षों में औसत वार्षिक टर्नओवर कम से कम 50 करोड़ हो। आवेदन करने की अंतिम तिथि 8 मार्च 2026 तय की गई है। यह परियोजना केवल एक स्टेशन बनाने तक सीमित नहीं है। यह भारत के गगनयान मिशन का अगला चरण है। इसके जरिए भारत रिसर्च के क्षेत्र में बढ़ेगा।

ठाकरे भाई अब नहीं होंगे अलग! हो गया फैसला

- बालसाहेब के जन्मदिन पर छलका प्यार ,खूब बजीं तालियां

मुंबई (एजेंसी)। साल 2025 में जब हिंदी-मराठी भाषा विवाद को लेकर उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे साथ आए थे तो राजनीतिक विश्लेषकों ने कहा था कि दोनों भाइयों में मेल-मिलाप नहीं हो पाएगा, लेकिन इसके बाद दोनों भाइयों ने मुंबई बीएमसी समेत महाराष्ट्र में महानगरपालिका के चुनाव साथ-साथ लड़े। बीएमसी में राज ठाकरे की अगुवाई वाली मनसे को सिर्फ 6 सीटें मिलने के बाद विश्लेषण में कहा जा रहा है कि राज-उद्धव ठाकरे कितने दिन साथ रहेंगे। इन तमाम कयासबाजी के बीच

शुक्रवार को ठाकरे भाइयों की गजब की केमिस्ट्री सामने आई। जब शिवसेना संस्थापक बाल ठाकरे के 100वें जन्मदिन (जन्म शताब्दी) के मौके पर दोनों भाई एक कार्यक्रम में पहुंचे थे। इस मौके पर जब मंच का संचालन कर रहे पदाधिकारी ने कहा कि उद्धव ठाकरे राज ठाकरे का सम्मान करें तो मनसे चीफ की अजीबोगरीब रिएक्शन सामने आई। उन्होंने कहा ऐसा कैसे हो सकता है। फिर उन्होंने उद्धव ठाकरे का सम्मान किया।

संक्षिप्त समाचार

अंडर-19 वर्ल्ड कप, सरफराज खान का रिकॉर्ड तोड़ेंगे वैभव सूर्यवंशी!, भारतीय कप्तान का रिकॉर्ड भी निशाने पर

पटना। आज अंडर-19 वर्ल्ड कप में भारत का तीसरा मुकाबला न्यूजीलैंड से है। मैच आज दोपहर 1 बजे से जिम्बाब्वे के बुलावायो में शुरू होगा। भारत अपना पहला दो मुकाबला जीतकर सुपर-सिक्स में जगह बना चुका है। बिहार के वैभव सूर्यवंशी आज के मुकाबले में सरफराज खान का रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। उनके नाम अभी 1047 रन दर्ज हैं, जबकि सरफराज खान के 1080 रन हैं। ऐसे में वैभव को सरफराज से आगे निकलने के लिए सिर्फ 33 रन की जरूरत है। इतना ही नहीं, अगर वैभव इस मुकाबले में 102 रन बना लेते हैं तो भारतीय कप्तान शुभमन गिल और उन्मुक्त चंद के 1149 यूथ वनडे रनों का रिकॉर्ड भी टूट जाएगा। भारत और न्यूजीलैंड का यह लीग स्टेज का आखिरी मैच है। भारत ने अब तक दोनों मुकाबले जीतकर ग्रुप-बी में टॉप पर जगह बनाई है। बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे मैच में वैभव सूर्यवंशी ने अंडर-19 वर्ल्ड कप में विराट कोहली का रिकॉर्ड तोड़ा था। वे विराट के रिकॉर्ड तोड़ने से 3 रन दूर थे। वैभव ने 4 रन बनाने के साथ ही यूथ वनडे में इंडिया के टॉप स्कोरर की लिस्ट में कोहली को पीछे छोड़ दिया। यूथ वनडे में भारत के टॉप स्कोरर की लिस्ट में वैभव सूर्यवंशी 8वें से 7वें नंबर पर आ गए हैं।

बिहार में होगा 'दंगल', विजेता को 1 लाख इनाम, जमुई स्टेडियम में 14-15 फरवरी को प्रतियोगिता संभावित

पटना। बिहार राज्य खेल प्राधिकरण की ओर से फरवरी में मल्लयुद्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इस साल इस प्रतियोगिता का नाम 'दंगल' रखा गया है। दो दिवसीय यह प्रतियोगिता 14 और 15 फरवरी को संभावित है। इस बार दंगल का आयोजन जमुई के एसके सिंह स्टेडियम में किया जाएगा। इसमें प्रथम आने वाले को 1 लाख रुपए, दूसरे स्थान पर रहने वाले को 50 हजार और तीसरे स्थान वाले को 25 हज़ार रुपए का नगद पुरस्कार दिया जाएगा। बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रवीन्द्रण शंकरण ने कहा कि, इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए एंट्री ऑनलाइन होगी। इसके लिए पोर्टल खोला जाएगा जिसमें लिंक के माध्यम से खिलाड़ी उसमें रजिस्टर कर सकते हैं। वेट कैटेगरी के अनुसार खिलाड़ी अपना एंट्री डाल सकते हैं। खासबात यह है कि हर खिलाड़ी को ऑनलाइन ही पता चल जाएगा कि उनका मुकाबला किस खिलाड़ी के साथ होगा, ताकि पारदर्शिता के साथ मल्लयुद्ध प्रतियोगिता का आयोजन हो। रवीन्द्रण शंकरण ने आगे बताया कि, हर साल बिहार राज्य खेल प्राधिकरण की ओर से मल्लयुद्ध का कार्यक्रम किया जाता है। मेरा आग्रह है कि बिहार में जितने भी मल्लयुद्ध के अखाड़े हैं, जैसे बेतिया बगहा से लेकर गया और बक्सर से लेकर मुंगेर भागलपुर तक, सभी इस कार्यक्रम में भाग लें। इस प्रतियोगिता का आयोजन लड़कों के लिए चार वेट कैटेगरी में और लड़कियों के लिए तीन वेट कैटेगरी में होगा। इस प्रतियोगिता की तारीख अभी तय नहीं की गई है, लेकिन 14 और 15 फरवरी को यह संभावित है।

6 शहरों में घना कोहरा, राजगीर सबसे ठंडा- 7°C न्यूनतम तापमान, पटना से जाने वाली 1 ट्रेन कैंसिल, 3 लेट

पटना। बिहार में जनवरी लास्ट या फरवरी फर्स्ट वीक में ठंड फिर बढ़ सकती है। शनिवार को आरा, बेतिया, बगहा, गोपालगंज समेत 6 शहरों में घना कोहरा देखने को मिला। बीते 24 घंटे में राज्य में सबसे कम न्यूनतम तापमान नालंदा के राजगीर में दर्ज किया गया, जहां पारा 7.3 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया। तापमान में गिरावट के बावजूद ठंड का असर सामान्य बना हुआ है और शीतलहर जैसी स्थिति कहीं भी देखने को नहीं मिली है। बिहार में न्यूनतम तापमान 8 से 14 डिग्री सेल्सियस के बीच बने रहने का अनुमान है। सुबह-शाम हल्की ठंड का एहसास जरूर होगा, लेकिन दिन में मौसम शुष्क और साफ रहेगा। पटना से जाने वाली 1 ट्रेन कैंसिल और 3 गाड़ियां देरी से चल रही हैं

मौसम विभाग के वैज्ञानिक ने क्या कहाः मौसम विभाग के वैज्ञानिकों का कहना है कि राज्य में फिलहाल मौसम स्थिर बना हुआ है। वैज्ञानिक के अनुसार, 'बिहार में इस समय किसी मजबूत पश्चिमी विक्षोभ या उत्तर-पश्चिमी ठंडी हवाओं का प्रभाव नहीं है। इसी कारण तापमान में बड़ी गिरावट देखने को नहीं मिल रही है। अगले 4 से 5 दिनों तक मौसम इसी तरह सामान्य रहने की संभावना है'। उन्होंने यह भी बताया कि रात के तापमान में हल्का उतार-चढ़ाव हो सकता है, लेकिन ठंड के अचानक बढ़ने की कोई स्थिति नहीं बन रही है।

हाजीपुर में राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर पोस्टर प्रतियोगिता, मतदान जागरूकता पर जोर दिया

हाजीपुर। केंद्रीय विद्यालय हाजीपुर में राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर एक पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के माध्यम से समाज में मतदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करना था। कार्यक्रम का उद्घाटन विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य श्री संजय कुमार ने किया। इस अवसर पर उन्होंने राष्ट्रीय मतदाता दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला और विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि मतदान प्रत्येक नागरिक का संवैधानिक अधिकार होने के साथ-साथ एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी भी है। उन्होंने छात्रों को भविष्य में जिम्मेदार और जागरूक मतदाता बनने के लिए प्रेरित किया।

प्रभावशाली नारों ने ध्यान आकर्षित कियाः प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपने पोस्टरों के माध्यम से कई प्रभावशाली संदेश दिए। इनमें "पहले मतदान, फिर जलपान", "मेरा वोट-मेरी ताकत" और "लोकतंत्र की मजबूती, हर वोट की जिम्मेदारी" जैसे नारे शामिल थे, जिन्होंने सभी का ध्यान आकर्षित किया। इसके बाद, विद्यालय के परीक्षा नियंत्रक और शिक्षक श्री सुकेश कुमार ने सभी विद्यार्थियों और उपस्थित शिक्षकों को मतदाता जागरूकता की शपथ दिलाई। इस दौरान सभी ने निष्पक्ष और निर्भीक होकर मतदान करने का संकल्प लिया।

राष्ट्र के प्रति जिम्मेदार नागरिक बनने के संदेशः इस अवसर पर विद्यालय की शिक्षिकाएं बिनीता कुमारी, मिन्नी कुमारी, प्रियंका कुमारी तथा शिक्षक राजू कुमार, अकबर अंसारी, ऋषि कुमार, शिवम प्रियदर्शी, अविनाश कुमार सहित अन्य शिक्षक-कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्र के प्रति जिम्मेदार नागरिक बनने के संदेश के साथ हुआ। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों की सराहना की गई, और विद्यालय परिवार ने ऐसे कार्यक्रमों को नियमित रूप से आयोजित करने का संकल्प लिया।

बिहार से 450 युवाओं को सौंपा गया नियुक्ति पत्र

केंद्रीय मंत्री बोले- पूरी दुनिया में तेजी से आगे बढ़ रही है भारत की अर्थव्यवस्था

एजेंसी, पटना

रोजगार मेला के तहत आज पटना के ऊर्जा स्टेडियम में भव्य कार्यक्रम का आयोजन SSB की ओर से किया गया। पूरे देशभर के 45 स्थानों पर 61000 अभ्यर्थियों के नियुक्ति पत्र बांटे गए। बिहार में केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑनलाइन संबोधन करते हुए कहा कि 61000 से अधिक नौजवान आज नई शुरुआत कर रहे हैं। यह विकसित भारत के निर्माण का संकल्प पत्र है। मैं आप सभी युवाओं को बहुत बहुत बधाई और शुभकामनाएं नियुक्ति पत्र के लिए दे रहा हूं। पीएम मोदी भारत दुनिया के सबसे युवाओं देशों में से एक है। हमारी सरकार की प्राथमिकता है कि अलग अलग देशों में अपने देश के युवाओं के लिए अवसर बढ़े। आज भारत एक बड़ा मैनुफैक्चरिंग पावर बनते जा रहा है। "नागरिक देवो भव" पर सभी सेवक काम करें।

450 युवाओं को रोजगार पत्र दिए गएः केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने कहा कि, 'प्रधानमंत्री का लक्ष्य 10 लाख युवाओं को रोजगार देना है। आज इस केंद्र से बिहार के 450 युवाओं को रोजगार दिए जा रहे हैं। यह देश आने वाले समय में पूरी दुनिया में स्टार्टअप का हब बनने जा रहा है। हर तरीके से प्रधानमंत्री देश के युवाओं को रोजगार की दिशा में मदद कर रहे हैं। देश में निर्मित सामानों के यूज पर बल दिया जा रहा है। यह संकल्प देश की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाएगा।'

SSB के IG ने गृहमंत्री का जताया आभारः सशस्त्र सीमा बल के महानिरीक्षक निशित कुमार उज्ज्वल ने कहा कि, '18 वें संस्करण में आज पूरे देश में किया गया है। गृह मंत्रालय की ओर से बिहार में इसके आयोजन की जिम्मेदारी शस्त्र सीमा बल को सौंपी गई है। इसके लिए गृहमंत्री का आभार प्रकट करता हूं।'

भाई वीरेंद्र बोले-पार्टी नेतृत्व की गलत रणनीति से चुनाव हारे

एजेंसी, पटना

- मनेर विधायक का इशारों में तेजस्वी पर निशाना, कहा- जमीनी कार्यकर्ताओं की अनदेखी हुई

बिहार चुनाव में आरजेडी की हार के बाद पार्टी के भीतर सवाल उठने लगे हैं। मनेर से आरजेडी विधायक भाई वीरेंद्र ने चुनाव में हार को लेकर पार्टी नेतृत्व की रणनीति और टिकट बंटवारे के तौर-तरीकों पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उनका कहना है कि गलत रणनीति और टिकट बंटवारे की चूक ने पार्टी को भारी नुकसान पहुंचाया। दरअसल, शुक्रवार को एक कार्यक्रम में भाई वीरेंद्र ने चुनाव में विजय मंडल के टिकट काटे जाने पर नाराजगी व्यक्त की। इस दौरान उन्होंने इशारों में तेजस्वी यादव के फैसले पर सवाल उठाए। RJD विधायक ने कहा पार्टी को चुनाव में हार का सामना इसलिए करना पड़ा, क्योंकि जमीनी कार्यकर्ताओं और मजबूत दावेदारों की अनदेखी की गई।

भाई वीरेंद्र ने कहा, 'जो लोग वर्षों से पार्टी के लिए काम कर रहे थे, उन्हें टिकट नहीं दिया गया, जबकि कई बाहरी और कमजोर उम्मीदवारों को मौका दे दिया गया। चुनावी रणनीति में गंभीर चूक हुई है और इसी का खामियाजा पार्टी को भुगतना पड़ा।'

विजय मंडल का टिकट कटने पर उठाए सवालः विधायक ने आगे कहा, 'जब चुनाव में कार्यकर्ता ही उत्साहित नहीं होंगे, तो उसका सीधा असर नतीजों पर पड़ेगा।' उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि वे और विजय मंडल एक साथ विधायक बने थे, लेकिन इस बार चुनाव में विजय मंडल का टिकट काट दिया गया। भाई वीरेंद्र ने कहा, 'मुझे यह बात नहीं कहनी चाहिए, लेकिन जब मजबूत और अनुभवी लोगों को बाहर कर दिया जाएगा तो नुकसान तो होगा ही।'

शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सरस्वती पूजनोत्सव संपन्न

बीएनएम @ सुगौली

- विभिन्न पूजा पंडालों की प्रतिमाओं का हुआ विसर्जन

प्रखंड क्षेत्र में सरस्वती पूजनोत्सव शनिवार को शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हो गया। इस अवसर पर विभिन्न पूजा पंडालों में विधिवत रूप से स्थापित माता सरस्वती की प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। वहीं, कुछ पूजा पंडालों में स्थापित प्रतिमाओं का विसर्जन परंपरा के अनुसार सोमवार को किया जाएगा। प्रतिमा विसर्जन के दौरान जिला प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पूजा समितियों ने पूरी तरह पालन किया। निर्धारित मार्गों से जुलूस निकाले गए और समय-सारिणी के अनुसार विसर्जन संपन्न कराया गया। प्रशासन की ओर से सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए थे, जिससे किसी प्रकार की अव्यवस्था या अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली। पूरे प्रखंड क्षेत्र में उत्सव के दौरान आपसी भाईचारे और सौहार्द का माहौल बना रहा। स्थानीय लोगों ने भी संयम और अनुशासन का परिचय देते हुए पूजा एवं विसर्जन कार्यक्रम को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने में प्रशासन और पूजा समितियों का सहयोग किया। पूजा समितियों के सदस्यों ने प्रशासन के सहयोग के प्रति संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि आपसी समन्वय के कारण सरस्वती पूजनोत्सव निर्विघ्न और शांतिपूर्ण रूप से संपन्न हो सका।

गणतंत्र दिवस पर महादलित बस्ती पहुंचेंगे सीएम नीतीश, करेंगे झंडोत्तोलन, 20 बुजुर्गों को बांटेंगे चश्मा

एजेंसी, पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के अवसर पर पटना जिले के पुनपुन प्रखंड स्थित मारांची महादलित बस्ती पहुंचेंगे। वे यहां झंडोतोलन करेंगे। उनके प्रस्तावित दौरे को लेकर पूरे गांव की सूरत बदल गई है और प्रशासन ने व्यापक तैयारियां की हैं। झंडोत्तोलन स्थल के ठीक बगल में मध्य विद्यालय की साफ-सफाई कराई गी है, रंग-रोगन भई किया गया है। सुरक्षा कारणों से विद्यालय के एक कमरे को आरक्षित किया गया है।

इसके अतिरिक्त, मध्य विद्यालय मारांची के 2 कमरों को विशेष रूप से आपातकालीन कक्ष के रूप में तैयार किया गया है। इन कमरों में आवश्यक चिकित्सा उपकरण और प्राथमिक उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इस दौरे के तहत महादलित बस्ती से 20 बुजुर्गों का चयन किया गया है, जिनकी आंखों की जांच कराई गई है। जांच के बाद तैयार किए गए चश्मे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपने हाथों से वितरित करेंगे।

एंबुलेंस सेवा और मेडिकल टीम को भी अलर्ट रखा हैः मारांची स्थित प्राथमिक उप स्वास्थ्य केंद्र को भी व्यवस्थित किया गया है। यहां विशेष डॉक्टरों की तैनाती की गई है और आपातकालीन दवाओं की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों और अतिथियों की स्वास्थ्य सुरक्षा को प्राथमिकता दी गई है। एंबुलेंस सेवा और मेडिकल टीम को भी अलर्ट पर रखा गया है। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा और आपातकालीन व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए हैं। कार्यक्रम स्थल और आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए हैं।

स्कूल में आपातकालीन कक्ष

स्थिति से निपटने के लिए विशेष दल तैनातः भीड़ नियंत्रण, यातायात व्यवस्था और आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए विशेष दल तैनात किए गए हैं। मुख्यमंत्री के आगमन से मारांची महादलित बस्ती में उत्साह का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि पहली बार उनके गांव में राज्य स्तर का गणतंत्र दिवस समारोह आयोजित हो रहा है, जिससे गांव को पहचान और विकास की नई उम्मीद मिली है। लोगों को उम्मीद है कि मुख्यमंत्री के दौरे से गांव में शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं को और मजबूती मिलेगी।

राष्ट्रीय बालिका दिवस पर 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' का संदेश, दानापुर में छात्राओं ने निकाली जागरूकता रैली

एजेंसी, पटना

दानापुर में राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर महिला एवं बाल विकास निगम की महत्वाकांक्षी योजना 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' के तहत एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम दानापुर कैंट स्थित +2 जानकधारी उच्च विद्यालय परिसर में हुआ, जिसमें दानापुर के विभिन्न स्कूलों से बड़ी संख्या में छात्राओं, शिक्षकों और विशेषज्ञों ने भाग लिया।

स्कूली छात्राओं ने निकाली गई जागरूकता रैलीः कार्यक्रम की शुरुआत विभिन्न स्कूलों की छात्राओं ने निकाली गई जागरूकता रैली से हुई। इस रैली को बीडीओ आलोक कुमार, सीओ चंदन कुमार और बीईओ विनोद कुमार विकास ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली स्कूल से प्रारंभ होकर अलख सिन्हा मार्ग, एमईएस पुल, सैनिक चौक, बीआरसी शहीद स्मारक तक गई और उसी मार्ग से वापस स्कूल में समाप्त हुई। विद्यालय की शिक्षिकाएं भी छात्राओं के साथ रहीं।

प्रथा, नशाखोरी के उन्मूलन को लेकर लगे नारेः रैली में शामिल छात्राओं ने भ्रूण हत्या, बाल विवाह, दहेज प्रथा और नशाखोरी के उन्मूलन को लेकर नारे लगाए। इस अवसर पर बालिकाओं ने अभिभावकों को जागरूक करते हुए कहा कि बेटा-बेटी में अंतर न करें, बेटी है तभी परिवार है, दहेज लेकर बहू न लाएं, भ्रूण में बेटी होने पर भ्रूण हत्या न करें और बेटी को जरूर पढ़ाएं। जागरूकता रैली के साथ ही स्कूल प्रांगण में छात्राओं के बीच पेंटिंग प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता और वृक्षारोपण कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।

- दहेज प्रथा-नशाखोरी उन्मूलन को लेकर लगे नारे

बालिकाओं का सशक्तिकरण समाज के समग्र विकास की नींव- सीओः इस दौरान दानापुर के सीओ चंदन कुमार ने बताया कि, बालिकाओं का सशक्तिकरण किसी भी समाज के समग्र विकास की मजबूत नींव है। उन्होंने जोर दिया कि बेटियों को शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और समान अवसर प्रदान करके ही एक सशक्त समाज और मजबूत राष्ट्र का निर्माण संभव है। उन्होंने छात्राओं को आत्मविश्वासी बनने और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। उन्होंने आगे बताया कि इस कार्यक्रम में दानापुर के दस से अधिक विद्यालयों की छात्राओं ने भाग लिया।

पटना हाईकोर्ट को मिले नए न्यायाधीश, वरिष्ठ अधिवक्ता अंशुल राज बने जज

एजेंसी, पटना

- कानून मंत्रालय ने जारी की अधिसूचना

पटना हाईकोर्ट को नया न्यायाधीश मिल गया है। राजधानी पटना के वरिष्ठ अधिवक्ता अंशुल राज को पटना हाईकोर्ट का जज नियुक्त किया गया है। इस संबंध में केंद्रीय कानून मंत्रालय ने अधिसूचना जारी की है। अंशुल राज पटना हाईकोर्ट के जाने-माने और अनुभवी वकीलों में गिने जाते हैं। वे लंबे समय से हाईकोर्ट में वकालत कर रहे हैं और कई महत्वपूर्ण मामलों में अपनी मजबूत फैसलों के लिए पहचाने जाते है।

वरिष्ठ अधिवक्ता योगेश चंद्र वर्मा के बेटे हैं अंशुल राजः अंशुल राज, वरिष्ठ अधिवक्ता योगेश चंद्र वर्मा के पुत्र हैं। योगेश चंद्र वर्मा पटना हाईकोर्ट एडवोकेट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष रह चुके हैं और बिहार स्टेट बार काउंसिल के सदस्य भी रहे हैं। बेटे की इस उपलब्धि पर उनके परिवार और अधिवक्ता समाज में खुशी का माहौल है। अंशुल राज का शपथ ग्रहण समारोह भी जल्द ही आयोजित किया जाएगा। जानकारी के अनुसार, अंशुल राज का नाम पहले पटना हाईकोर्ट कॉलेजियम ने जज पद के लिए अनुशंसित किया था। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने भी उनके नाम पर सहमति दी। जिसके बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संविधान द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उनकी नियुक्ति को मंजूरी दी। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी दी।

पटना यूनिवर्सिटी कैंपस में रेप

एजेंसी, पटना

पटना यूनिवर्सिटी के कैंपस के निर्माणाधीन भवन में रेप हुआ है। कंस्ट्रक्शन कंपनी के मुंशी ने महिला के साथ गलत किया है। पीड़िता मुंशी के अंडर ही काम करती थी। महिला का काम खाना बनाने का था।रेप से एक दिन पहले आरोपी मुंशी अमरनाथ ने महिला के साथ छेड़खानी की थी। इस बात की जानकारी पीड़िता ने अपने पति को दी थी। पति विरोध जताने के लिए मुंशी के पास गया था, लेकिन मुंशी ने उसकी पिटाई कर दी थी। पति का दांत तोड़ दिया था। अगले दिन महिला काम पर फिर आई तो मुंशी ने उसे कमरे में बंद कर दिया और रेप किया। वारदात 23 जनवरी की है, जिसमें प्राथमिकी दर्ज की चुकी है। आज पुलिस ने पीसी कर मामले की जानकारी दी है।

सुसाइड करने वाली थी महिलाः वारदात वाली जगह अन्य मजदूर भी काम करते हैं। कटिहार के कुछ मजदूरों ने बताया कि हमलोग खाना खाकर सो गए थे। रेप के बाद महिला सुसाइड करने जा रही थी। इतने में एक मजदूर ने उसे देख लिया था। हमलोग भागते हुए उसके पास गए। उससे पूछा कि क्या हुआ। जिसके बाद उसने कहा कि मेरे साथ मुंशी ने गलत किया है। इसके बाद हमलोग थाने गए और पुलिस को पूरे मामले की जानकारी दी।

इंचार्ज पर मुंशी को भगाने का आरोपः मजदूरों ने कहा कि हमलोग मुंशी को बंधक बनाने जा रहे थे। इतने में हमलोगों का इंचार्ज आ गया। इंचार्ज ने हमलोगों के साथ गाली-गलौज की। हमें धक्का देकर मौके से हटाया। जिसके बाद मुंशी के भगा दिया। पुलिस इंचार्ज को पूछताछ के लिए ले गई थी। मौके पर पुलिस आई थी। अधिकारियों ने जांच पड़ताल की थी। यहां जो भी होता है हमारे इंचार्ज के हिसाब से होता है।

सरस्वती पूजा के बाद आज होगा मूर्ति विसर्जन

एजेंसी, पटना

कल पांच शुभ योग में सरस्वती पूजा मनाई गयी। एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर वसंत पंचमी की बधाई दी। आज मां सरस्वती के प्रतिमा का विसर्जन होगा। इसके लिए पटना नगर निगम की ओर से विभिन्न घाटों पर कुल 7 आर्टिफिशियल तालाब बनाए गए हैं। ये तालाब विशेष रूप से पूजा के दौरान मूर्ति और पूजन सामग्री के विसर्जन को लेकर बनाए गए हैं। निर्धारित स्थलों के अतिरिक्त किसी अन्य स्थान पर विसर्जन किए जाने पर संबंधित व्यक्तियों पर कार्रवाई के साथ जुर्माना भी लगाया जाएगा।

4 अंचल में बनाए गए 7 आर्टिफिशियल तालाबः बांकीपुर अंचल में लॉ कॉलेज घाट, पाटलिपुत्र अंचल में पाटीपुल घाट और मीनार घाट, अजीमाबाद अंचल में घाट और मित्तन घाट, पटना सिटी अंचल में कंगन घाट और दमराही घाट में आर्टिफिशियल तालाब बनाए गए हैं। इस दौरान कपड़े से बैरिकेडिंग की गई और लाइट भी लगाया गया। नगर आयुक्त यशपाल मीणा ने कहा कि इन आर्टिफिशियल तालाबों की व्यवस्था की जा रही है, ताकि जलस्रोतों की स्वच्छता बनी रहे। उन्होंने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया है कि सरस्वती पूजा का आयोजन पर्यावरणीय दायित्व के साथ सुनिश्चित किया जाए।

अपने संबंधित अंचल में बने कृत्रिम तालाब में ही करें मूर्ति विसर्जनः सरस्वती पूजा के दिन पटना नगर निगम की टीम अपने निर्धारित अंचल में बने पंडालों में घूमेगी और मॉनिटरिंग करेगी कि मानक के अनुसार पंडाल बैठे हो। नगर आयुक्त यशपाल मीणा ने लोगों से अपील की है कि जहां पर भी पंडाल बनाकर मूर्ति बैठाई जा रही है, वहां पर स्वच्छता का ध्यान रखा जाए। पूजन सामग्री को जहां-तहां न फेंके। सूखा और गीला कचरा के लिए अलग-अलग डस्टबिन रखें। वहीं, मूर्ति विसर्जन अपने संबंधित अंचल में बने कृत्रिम तालाब में ही जाकर करें।

पटना शहर को स्वच्छ रखने और पर्यावरण संरक्षण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पटना नगर निगम द्वारा ये तैयारियां की गई है। गंगा नदी सहित अन्य जलस्रोतों को प्रदूषण से बचाने के लिए पटना नगर निगम द्वारा विशेष सफाई अभियान चलाया जाएगा। सरस्वती पूजा के अवसर पर अभियान को पूरी तरह प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए पटना नगर निगम की विशेष जागरूकता टीमें भी घाटों पर तैनात रहेंगी। ये टीमें श्रद्धालुओं एवं पूजा समितियों को प्लास्टिक रैपर, पॉलीथिन तथा अन्य नॉन-बायोडिग्रेडेबल सामग्री के उपयोग से बचने के लिए प्रेरित करेगी।

- पटना में बने 7 आर्टिफिशियल तालाब, नियम तोड़ने पर लगेगा भारी जुर्माना

मां सरस्वती की प्रतिमा विसर्जन को लेकर पटना जिला स्वास्थ्य विभाग ने पुख्ता व्यवस्था की है। पटना सिविल सर्जन डॉ. अविनाश कुमार सिंह ने जिले के सभी सरकारी और निजी अस्पतालों को अलर्ट मोड पर रहने का निर्देश दिया है, ताकि आपात स्थिति में त्वरित चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई जा सके। सिविल सर्जन ने बताया कि जिला नियंत्रण कक्ष में विशेष स्वास्थ्य टीम की तैनाती की जाएगी, जो 24 घंटे स्थिति पर नजर रखेगी।

संक्षिप्त समाचार

हत्या के प्रयास कांड का नामजद अभियुक्त गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी। पूर्वी चंपारण जिले के कल्याणपुर थाना क्षेत्र में हत्या के प्रयास के एक गंभीर मामले में पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। कल्याणपुर थाना कांड संख्या-284/25 (हत्या का प्रयास) में नामजद प्राथमिकी अभियुक्त चंद्रशेखर सिंह उर्फ पप्पू सिंह, पिता—यमुना सिंह, निवासी—बासदेव छपरा, थाना—कल्याणपुर, जिला—पूर्वी चंपारण को पुलिस द्वारा गुप्त सूचना के आधार पर छापामारी कर विधिवत गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, अभियुक्त लंबे समय से फरार चल रहा था और उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे थे। वरीय अधिकारियों के निर्देश पर गठित पुलिस टीम ने संभावित ठिकानों पर छापामारी कर उसे गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की। गिरफ्तारी के बाद अभियुक्त से पूछताछ की जा रही है तथा मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है। पुलिस द्वारा अभियुक्त के आपराधिक इतिहास की भी जानकारी जुटाई जा रही है। विधिसम्मत प्रक्रिया के तहत अभियुक्त को न्यायिक हिरासत में भेजने की तैयारी की जा रही है। कल्याणपुर पुलिस ने स्पष्ट किया है कि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा अपराधियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई का अभियान लगातार जारी रहेगा। आम जनता से भी पुलिस ने अपील की है कि किसी भी आपराधिक गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें।

वांछित शराब कारोबारी गिरफ्तार, शिकारगंज पुलिस को बड़ी सफलता

बीएनएम @ मोतिहारी। जिले के शिकारगंज थाना क्षेत्र में अवैध शराब कारोबार के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस को एक और महत्वपूर्ण सफलता मिली है। शिकारगंज थाना कांड संख्या–35/25 (उत्पाद अधिनियम) में वांछित अभियुक्त जितेंद्र कुमार सहनी को पुलिस ने छापामारी कर गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान जितेंद्र कुमार सहनी, पिता–राघों साहनी, निवासी–ग्राम टिकुलिया ढाब, थाना–मुफ्फसिल, जिला–पूर्वी चंपारण के रूप में की गई है। पुलिस के अनुसार, अभियुक्त लंबे समय से फरार चल रहा था और अवैध शराब कारोबार में सक्रिय रूप से संलिप्त था। उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे थे। इसी क्रम में गुप्त सूचना के आधार पर गठित पुलिस टीम ने छापामारी कर उसे गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की। जांच के दौरान यह भी सामने आया है कि गिरफ्तार अभियुक्त का शराब तस्करी से जुड़ा पुराना आपराधिक इतिहास रहा है। उसके विरुद्ध पूर्व में शिकारगंज थाना कांड संख्या–180/23 (उत्पाद अधिनियम) एवं मुफ्फसिल थाना कांड संख्या–509/24 (उत्पाद अधिनियम) दर्ज हैं। गिरफ्तारी के बाद अभियुक्त से पूछताछ की जा रही है। साथ ही उसके संपर्क में रहे अन्य शराब कारोबारियों और नेटवर्क की भी जांच की जा रही है। विधिसम्मत प्रक्रिया पूरी करते हुए अभियुक्त को न्यायिक हिरासत में भेजने की कार्रवाई की जा रही है।

हरैया पुलिस की मध्यस्थता से सुलझा विवाद, 2.40 लाख पीड़ित को लौटाए

बीएनएम @ मोतिहारी। हरैया थाना क्षेत्र के टुमरिया टोला में जमीन के नाम पर एक व्यक्ति से 2.40 लाख वसूले जाने का मामला सामने आया, लेकिन आरोपी न तो जमीन देने को तैयार था और न ही राशि लौटाने को। शिकायत मिलने पर हरैया थाना पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए दोनों पक्षों को थाने बुलाया और समझाइश के माध्यम से विवाद का समाधान करने का प्रयास किया। थाना अधिकारियों ने दोनों पक्षों से विस्तार से बातचीत की और उन्हें आपसी सहमति से मामले को हल करने का महत्व समझाया। इस प्रक्रिया में सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए समाधान निकाला गया और पीड़ित को उसकी पूरी राशि 2.40 लाख वापस कर दी गई। पुलिस की इस पहल से मामला बिना किसी कानूनी कार्रवाई या लंबी प्रक्रिया के शांतिपूर्ण ढंग से निपट गया। स्थानीय लोगों ने पुलिस की सक्रियता और जनसहभागिता की सराहना की और इसे समुदाय के लिए एक प्रेरक उदाहरण बताया। थाना प्रशासन ने बताया कि इस तरह की मध्यस्थता से विवाद जल्दी सुलझने और लोगों में पुलिस के प्रति भरोसा बढ़ाने में मदद मिलती है।

नकली डीजल–पेट्रोल फैक्ट्री का भंडाफोड़, 3800 लीटर नकली तेल बरामद, एक गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी : पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात को प्राप्त गुप्त सूचना के आधार पर सुगौली थाना क्षेत्र अंतर्गत कांटी फैक्ट्री के पास हरसिद्धि थाना पुलिस द्वारा बड़ी कार्रवाई की गई। छापेमारी के दौरान एक गोदाम में नकली डीजल–पेट्रोल तैयार किए जाने का अवैध धंधा संचालित होते पाया गया। पुलिस ने मौके से करीब 3800 लीटर नकली तेल तथा लगभग 30 से 35 लीटर तेल बनाने में प्रयुक्त रासायनिक केमिकल बरामद किया है। यह कार्रवाई समय रहते नहीं होती, तो आम लोगों के वाहनों और पर्यावरण को भारी नुकसान पहुंच सकता था। नकली ईंधन से इंजन खराब होने के साथ- साथ गंभीर हादसों की आशंका बनी रहती है। छापेमारी के दौरान एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान रुद्रप्रताप उर्फ जुन्ना, पिता अनिल कुमार, मुहल्ला बेलबनवा, थाना नगर, जिला पूर्वी चंपारण के रूप में की गई है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि नकली ईंधन की सप्लाई किन- किन इलाकों में की जा रही थी और इस गिरोह में और कौन- कौन लोग शामिल हैं।

निजी विद्यालयों की मनमानी पर प्रशासन सख्त, अभिभावकों को मिली बड़ी राहत

सागर सूरज

मोतिहारी। पूर्वी चंपारण से एक अहम और राहत भरी खबर सामने आई है,

जो सीधे तौर पर अभिभावकों की जेब और बच्चों की शिक्षा व्यवस्था से जुड़ी हुई है। जिले में लंबे समय से निजी विद्यालयों द्वारा पुस्तकों, यूनिफॉर्म, जूते-मोजे, स्टेशनरी और अन्य शैक्षणिक सामग्रियों की अनिवार्य खरीद को लेकर अभिभावक परेशान थे। अब इस मनमानी पर जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए प्रतिबंधात्मक आदेश के प्रभावी क्रियान्वयन की प्रक्रिया तेज कर दी है।

जिला प्रशासन द्वारा जारी स्पष्ट आदेश के अनुसार, अब कोई भी निजी विद्यालय विद्यार्थियों या अभिभावकों को किसी विशेष दुकान या विक्रेता से शैक्षणिक सामग्री खरीदने के लिए बाध्य नहीं कर सकता। प्रशासन ने यह साफ कर दिया है कि अभिभावकों को पूरी स्वतंत्रता है कि वे निर्धारित मापदंडों के अनुरूप पुस्तकें, यूनिफॉर्म और अन्य आवश्यक सामग्री अपनी सुविधा और बजट के अनुसार किसी भी दुकान से खरीद सकें।

आदेश के अनुपालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अनुमंडल पदाधिकारी सदर सहित अन्य वरीय प्रशासनिक अधिकारियों ने जिले के विभिन्न निजी विद्यालयों का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय प्रबंधन को जिलाधिकारी द्वारा जारी आदेश का अक्षरशः पालन करने के सख्त निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने विद्यालयों को स्पष्ट शब्दों में चेताया कि किसी भी प्रकार की अनियमितता या दबाव की शिकायत मिलने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

निरीक्षण के क्रम में यह भी स्पष्ट किया गया कि विद्यालयों को केवल पुस्तकों, यूनिफॉर्म और अन्य शैक्षणिक सामग्रियों का स्पेसिफिकेशन जारी करने का अधिकार है। वे न तो किसी विशेष दुकान या विक्रेता का नाम सुझा सकते हैं और न ही वहां से खरीदारी के लिए अभिभावकों को मजबूर कर सकते हैं। इस दौरान विद्यालय प्रबंधन ने प्रशासन को आश्वासन दिया कि भविष्य में किसी भी छात्र या अभिभावक पर एक ही दुकान से खरीदारी का दबाव नहीं बनाया जाएगा।

प्रशासन ने साफ चेतावनी दी है कि आदेश के उल्लंघन की स्थिति में संबंधित विद्यालय प्रबंधन के विरुद्ध विधिसम्मत और कड़ी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही यह भी कहा गया है कि शिक्षा व्यवस्था को पारदर्शी, किफायती और अभिभावक-हितैषी बनाने के लिए प्रशासन लगातार निगरानी कर रहा है।

जिला प्रशासन ने अभिभावकों से अपील की है कि यदि किसी निजी विद्यालय द्वारा इस आदेश का उल्लंघन किया जाता है, तो वे तुरंत संबंधित अनुमंडल पदाधिकारी या जिला शिक्षा पदाधिकारी को इसकी सूचना दें। माना जा रहा है कि यह कदम निजी विद्यालयों की मनमानी पर लगाम लगाने और अभिभावकों को आर्थिक राहत देने की दिशा में एक मजबूत और सकारात्मक संदेश है।

71वीं वाहिनी सीमा शस्त्र बल द्वारा 'तिरंगा' जागरूकता बाइक रैली का आयोजन

बीएनएम @ मोतिहारी

71वीं वाहिनी सीमा शस्त्र बल, मोतिहारी द्वारा उच्च मुख्यालय के निर्देशानुसार तथा कमांडेंट प्रफुल्ल कुमार के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय गीत "वंदे मातरम्" के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर वंदे मातरम्/तिरंगा कार्यक्रम के अंतर्गत तिरंगा जागरूकता बाइक रैली का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम द्वितीय चरण के अंतर्गत दिनांक 19 जनवरी से 26 जनवरी तक आयोजित विभिन्न देशभक्ति कार्यक्रमों की श्रृंखला का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहा। बाइक रैली में लगभग 50 बाइक सवार बलकर्मियों ने भाग लिया। सभी बलकर्मी राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा के साथ सुसज्जित होकर वाहिनी मुख्यालय के मुख्य द्वार से निकले और 71वीं वाहिनी के कार्यक्षेत्र अंतर्गत आने वाले विभिन्न गांवों से होते हुए रैली निकाली। रैली के दौरान बलकर्मियों ने "भारत माता की जय", "वंदे मातरम्" जैसे गगनभेदी नारों के साथ पूरे क्षेत्र को देशभक्ति के रंग में रंग दिया। ग्रामीणों और आम नागरिकों ने रैली का उत्साहपूर्वक स्वागत किया और तिरंगे के प्रति सम्मान प्रकट किया। इस अवसर पर बताया गया कि तिरंगा बाइक रैली का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों, विशेषकर युवाओं के भीतर देशभक्ति की भावना को और अधिक सुदृढ़ करना, राष्ट्रीय ध्वज के महत्व के प्रति जागरूकता फैलाना तथा समाज में एकता, अखंडता और राष्ट्रप्रेम की भावना को प्रोत्साहित करना है। कार्यक्रम के दौरान 71वीं वाहिनी के अधिकारीगण, अधीनस्थ अधिकारी एवं सभी बलकर्मी उपस्थित रहे। इस आयोजन ने न केवल देशभक्ति का संदेश दिया, बल्कि सुरक्षा बलों और आम जनता के बीच आपसी विश्वास और सम्मान को भी और मजबूत किया।

अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कलाकार अनिकेत राज को मानवाधिकार संगठन में मिली महत्वपूर्ण जिम्मेदारी

बीएनएम @ मोतिहारी

अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कलाकार अनिकेत राज को राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं सूचना अधिकार संरक्षण संगठन (NHRIPO) द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य का प्रदेश सचिव नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति संगठन के राष्ट्रीय चेयरमैन एस.के. मोदनवाल साहेब द्वारा लखनऊ में आयोजित एक औपचारिक कार्यक्रम के दौरान की गई। इस अवसर पर संगठन के कई वरिष्ठ पदाधिकारी एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। नियुक्ति पत्र प्रदान करते हुए राष्ट्रीय चेयरमैन ने कहा कि अनिकेत राज की सामाजिक सोच, संवेदनशीलता और कार्य के प्रति समर्पण को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। संगठन को विश्वास है कि उनके नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में मानवाधिकार एवं सूचना अधिकार के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य होंगे। श्री राज ने पेंटिंग एवं कला के क्षेत्र में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल कर देश और प्रदेश का नाम रोशन किया है। उन्होंने जापान में आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय कला प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए अपनी उत्कृष्ट पेंटिंग कला का प्रदर्शन किया, जहाँ उन्हें आर्टिस्ट अवार्ड एवं गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया। उनकी यह उपलब्धि न केवल उनकी व्यक्तिगत सफलता है, बल्कि भारतीय कला एवं संस्कृति के लिए भी गौरव का विषय रही है। कला के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बनाने के साथ-साथ श्री राज मानवाधिकार संरक्षण, सामाजिक न्याय, गरीबों, शोषितों और वंचितों की आवाज़ उठाने के कार्यों में भी लगातार सक्रिय रहे हैं। वे समाज के प्रति गहरी संवेदनशीलता रखते हैं और हमेशा जनहित से जुड़े मुद्दों पर आगे आकर सहयोग करते रहे हैं। उनकी इसी सामाजिक प्रतिबद्धता को देखते हुए संगठन ने उन्हें यह दायित्व सौंपा है।

अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध महोत्सव में सैंड आर्टिस्ट मधुरेंद्र ने बुद्ध की 50 रेत मूर्तियां बनाकर रचा इतिहास

- यूएन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज
- 50 बुद्ध की रेत मूर्तियों का वर्ल्ड रिकॉर्ड, विश्व शांति का संदेश देती मधुरेंद्र की भव्य सैंड आर्ट

बीएनएम @ मोतिहारी

ज्ञान और मोक्ष की धरती बोधगया के कालचक्र मैदान में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध महोत्सव इस वर्ष विश्व शांति के संदेश के साथ और भी विशेष बन गया। महोत्सव के अवसर पर भारत के प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय सैंड आर्टिस्ट मधुरेंद्र कुमार ने 10 घंटे की कठिन साधना के बाद 15 टन बालू से 10 फीट ऊंची पीपल के पत्ते के आकार में भगवान बुद्ध की भव्य रेत प्रतिमा का निर्माण किया। उनकी इस अद्भुत कलाकृति ने देश-विदेश से आए श्रद्धालुओं और पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मधुरेंद्र कुमार ने भगवान बुद्ध के जीवन प्रसंगों पर आधारित राजकुमार सिद्धार्थ से लेकर महापरिनिर्वाण तक की 50 अनूठी रेत मूर्तियां बनाकर एक ऐतिहासिक वर्ल्ड रिकॉर्ड स्थापित किया। इस असाधारण उपलब्धि के लिए उन्हें यूएन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स द्वारा सम्मानित किया गया तथा उनका नाम आधिकारिक रूप से रिकॉर्ड बुक में दर्ज किया गया। यूएन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के इंटरनेशनल कोऑर्डिनेटर प्रोफेसर बुहारी ईसाह ने ई-मेल के माध्यम से बधाई देते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र के आदर्शों—विश्व शांति, अहिंसा और सद्भाव—का संदेश देने वाली महात्मा बुद्ध की 50 रेत मूर्तियों के निर्माण हेतु यह सम्मान मधुरेंद्र कुमार को प्रदान किया गया है। बिहार सरकार के पर्यटन विभाग एवं जिला प्रशासन, गया द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित अंतरराष्ट्रीय बौद्ध महोत्सव देश-विदेश के कलाकारों और श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र रहता है। मुख्य मंच की साज-सज्जा और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के बीच मधुरेंद्र की सैंड आर्ट इस वर्ष विशेष आकर्षण बनी रही। भारतीय इतिहास में वे पहले सैंड आर्टिस्ट हैं जिनका नाम यूएन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज हुआ है।उल्लेखनीय है कि मधुरेंद्र कुमार पिछले 20 वर्षों से लगातार अंतरराष्ट्रीय बौद्ध महोत्सव में भगवान बुद्ध की रेत प्रतिमाएं बनाते आ रहे हैं। वर्ष 2023 में उन्होंने 100 टन (एक लाख किलोग्राम) बालू से 20 फीट ऊंची और 30 फीट लंबी भगवान बुद्ध की विशाल प्रतिमा बनाकर देश-भर में चर्चा बटोरी थी। इस कलाकृति में "हर घर गंगा जल" और गयाजी डैम का संदेश भी समाहित था, जिसे उत्तर भारत की अब तक की सबसे बड़ी रेत प्रतिमा माना गया। ग्रामीण परिवेश के ननिहाल गांव बरवाकला में 28 जुलाई 1989 को जन्मे मधुरेंद्र कुमार की कला यात्रा अत्यंत प्रेरणादायक रही है। वर्ष 1996 में मात्र 7 वर्ष की आयु में उन्होंने अपने पैतृक गांव बिजबनी में अरुणा नदी तट पर बकरी चराते समय लगभग 2 फीट ऊंची बालू से भगवान बुद्ध की पहली प्रतिमा बनाई थी। ग्रामीणों की सराहना से शुरू हुआ यह सफर आज अंतर्राष्ट्रीय मंच तक पहुंच चुका है। मधुरेंद्र कुमार अब तक नेपाल, मलेशिया, वियतनाम, नीदरलैंड, भूटान, श्रीलंका, जर्मनी, इटली, रूस, जापान, लाओस, कनाडा, ब्रिटेन, स्कॉटलैंड, अमेरिका सहित भारत के अनेक राज्यों में अपनी कला का प्रदर्शन कर चुके हैं। वे अपनी रेत मूर्तियों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन, सिंगल-यूज प्लास्टिक के विरुद्ध जागरूकता, 'सेव आवर ओशन', वन्यजीव संरक्षण, स्वच्छता, नशा मुक्ति, महिला सशक्तिकरण, शिक्षा, देशभक्ति, आतंकवाद विरोध और विश्व शांति जैसे सामाजिक व वैश्विक मुद्दों पर निरंतर संदेश देते रहे हैं। बोधगया के इस पावन अवसर पर मधुरेंद्र कुमार की सैंड आर्ट ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया कि रेत के नाजुक कणों से भी मानवता, शांति और करुणा का सशक्त वैश्विक संदेश दिया जा सकता है।

मादक पदार्थ और हथियार सहित तीन आरोपी गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी

कल्याणपुर थाना क्षेत्र में पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर मनी बहुआरा से तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया, जिनके पास मादक पदार्थ और हथियार बरामद हुए। गिरफ्तार अभियुक्तों में रंजित कुमार (पिता- रमाशंकर सिंह, मनी बहुआरा, थाना-कल्याणपुर), सचिन कुमार (पिता- वैद्यनाथ महतो, रघुनाथपुर, थाना-केसरिया) और रम्भू महतो (पिता- किशोर महतो, रघुनाथपुर, थाना-केसरिया) शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 3.920 ग्राम स्मैक, 50 ग्राम गांजा, एक देशी कट्टा, एक तलवार, एक चाकू, एक कैची, दो इलेक्ट्रिक तराजू, कटर, एक ATM स्वीपिंग मशीन, तराजू एवं बटखरा, एक मोटरसाइकिल और तीन मोबाइल बरामद किए। थाना प्रशासन ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर अग्रिम विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है।

कालाजार के चंगुल से मौत को हरा लाई 'चाँदनी' सरकारी अस्पताल बना डूबते का सहारा

बीएनएम @ मोतिहारी

"निजी डॉक्टर ने साफ कह दिया था—पौने दो लाख रुपये जमा करो, तभी इलाज शुरू होगा। उस पल मुझे अपनी बेटी के चेहरे पर मौत साफ दिखाई देने लगी। हम जैसे दिहाड़ी मजदूर के लिए इतनी रकम सपने जैसी होती है। मैं टूट चुका था, लेकिन मेरी बेटी कालाजार से हार मानने को तैयार नहीं थी।" ये शब्द हैं मोतिहारी जिले के तुरकौलिया प्रखंड अंतर्गत सपही गांव निवासी लालबाबू मांझी के। उनकी दस वर्षीय बेटी चाँदनी ने वर्ष 2024 में कालाजार जैसी जानलेवा बीमारी से जंग लड़ी—और जीतकर लौट आई।

जब टूटने लगा साहस-वर्ष 2024 की शुरुआत में चाँदनी को हल्का बुखार रहने लगा। शुरुआत में इसे सामान्य बीमारी समझकर स्थानीय स्तर पर इलाज कराया गया, लेकिन बुखार उतरने का नाम नहीं ले रहा था। समय बीतने के साथ उसका शरीर कमजोर होने लगा, भूख समाप्त हो गई और चेहरा पीला पड़ने लगा। सबसे भयावह संकेत था—पेट का असामान्य रूप से फूलना, जो कालाजार का स्पष्ट लक्षण था। बेबस पिता उसे गनौली स्थित एक निजी अस्पताल ले गए। जांच के बाद डॉक्टर ने कालाजार की पुष्टि की और इलाज का खर्च करीब 1 लाख 80 हजार रुपये बताया। इतनी बड़ी रकम का प्रबंध असंभव था। निराश लालबाबू बेटी को लेकर घर लौट आए—मानो सब कुछ अब किस्मत के हवाले हो।

सरकारी तंत्र बना जीवनरक्षक-अंधकार के उस दौर में आशा कार्यकर्ता नेरातून उम्मीद की किरण बनकर सामने आईं। परिजनों की हालत देख उन्होंने बिना देर किए उन्हें सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था की जानकारी दी और तुरकौलिया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले गईं। वहाँ स्वास्थ्यकर्मी ओमकारनाथ ने जांच के बाद तुरंत कालाजार की पुष्टि की। सरकारी प्रोटोकॉल के तहत 10 मई 2024 को एंबुलेंस से चाँदनी को मोतिहारी सदर अस्पताल भेजा गया।

तीन दिन का इलाज, पूरी जिंदगी की राहत-सदर अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी में चाँदनी का इलाज शुरू हुआ। जिस उपचार के लिए निजी अस्पताल लाखों रुपये मांग रहे थे, वही इलाज यहां पूरी तरह निःशुल्क उपलब्ध कराया गया। महज तीन दिनों में चाँदनी की हालत में चमत्कारी सुधार दिखने लगा। 13 मई 2024 को जब उसे अस्पताल से छुट्टी मिली, तो पिता की आंखों में खुशी के आंसू थे। जिस बेटी के बचने की उम्मीद लगभग खत्म हो चुकी थी, वह कालाजार को मात देकर घर लौट रही थी।

आज की चाँदनीः स्वस्थ, मुस्कुराती, आत्मविश्वास से भरी-जनवरी 2026 में चाँदनी पूरी तरह स्वस्थ है। वह स्कूल जाती है, खेलती है और अपने टोले की सबसे चंचल बच्चियों में गिनी जाती है। सरकार की ओर से इलाज के साथ-साथ 7,100 की पोषण प्रोत्साहन राशि भी प्रदान की गई।

तुरकौलिया के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अर्जुन गुप्ता कहते हैं,-"चाँदनी का मामला बताता है कि सही समय पर सरकारी व्यवस्था तक पहुंचने से कालाजार पूरी तरह ठीक हो सकता है। हम महादलित और संवेदनशील बस्तियों में लगातार निगरानी रखते हैं। हमारा उद्देश्य इलाज के साथ-साथ भरोसा पैदा करना है।" आज सपही गांव का मांझी टोला कालाजार के प्रति पूरी तरह जागरूक है। लालबाबू और उनकी पत्नी खुद स्वास्थ्य संदेशवाहक बन चुके हैं। गांव में किसी बच्चे को बुखार होता है, तो वे निजी दुकानों के बजाय सीधे सरकारी स्वास्थ्य केंद्र जाने की सलाह देते हैं।

चाँदनी की मुस्कान आज इस सच्चाई की गवाही है— अगर समय पर सही जानकारी और सही व्यवस्था मिल जाए, तो कालाजार जैसी बीमारी भी हार मान लेती है।

संक्षिप्त समाचार

पर्सा की आयुषा कापरी बनीं ज़िले की सबसे कम उम्र की पायलट, नेपाली विमानन में रचा इतिहास

बीएनएम @ रक्सौल : नेपाल के विमानन क्षेत्र में पर्सा ज़िले की आयुषा कापरी ने नया इतिहास रच दिया है। वे ज़िले की सबसे कम उम्र की पायलट बन गई हैं। परंपरागत रूप से पुरुष-प्रधान माने जाने वाले विमानन क्षेत्र में उनकी यह उपलब्धि नेपाली महिलाओं की क्षमता, आत्मविश्वास और संभावनाओं का सशक्त उदाहरण है। 29 जून 2004 को पर्सा ज़िले के वीरगंज में जन्मी आयुषा ने बचपन से ही पायलट बनने का सपना देखा था। इस सपने को साकार करने के लिए उन्होंने अमेरिका से पायलट की पढ़ाई पूरी की। आधुनिक तकनीक, कड़े अनुशासन और उच्च सुरक्षा मानकों के लिए प्रसिद्ध अमेरिकी प्रशिक्षण प्रणाली में उन्होंने कठिन और प्रतिस्पर्धात्मक प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा किया। कम उम्र में पायलट कोर्स पूरा करना उनकी मेहनत, अनुशासन और दृढ़ इच्छाशक्ति का परिणाम है। आयुषा एक साधारण परिवार से आती हैं। उनके पिता बिरेन्द्र कापरी नेपाल ऑयल निगम में बाउज़र ऑपरेटर हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद परिवार का निरंतर सहयोग उन्हें आगे बढ़ाता रहा। वहीं, उनके मामा उमेश धिमाल, जो एविएशन फ्यूल डिपो सिनामंगल में कार्यरत हैं, का मार्गदर्शन भी निर्णायक रहा। भौगोलिक रूप से चुनौतीपूर्ण नेपाल में हवाई सेवाओं की अहम भूमिका है। ऐसे में आयुषा कापरी का पायलट बनना न केवल पर्सा ज़िले बल्कि पूरे देश की युवतियों के लिए प्रेरणा है। उन्होंने यह साबित कर दिया कि सपनों को साहस और मेहनत से नई उड़ान दी जा सकती है।

नौतन थाना व एसटीएफ की संयुक्त कार्रवाई में 3.748 किलो गांजा के साथ चार तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम@बेतिया : नौतन थाना क्षेत्र में अवैध मादक पदार्थ के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। दिनांक 23 जनवरी 2026 को सुबह करीब 09:30 बजे नौतन थानाध्यक्ष को सूचना मिली कि मंगलपुर क्षेत्र में तस्करों द्वारा अवैध मादक पदार्थ की खरीद–बिक्री की जा रही है। सूचना मिलते ही वरीय पदाधिकारी को अवगत कराते हुए नौतन थाना पुलिस एवं एसटीएफ की संयुक्त टीम ने त्वरित कार्रवाई की। पुलिस टीम मंगलपुर स्थित बनकट ब्रह्म स्थान के पास पहुंची, जहां एक ई-रिक्शा पर सवार तीन व्यक्ति तथा एक अन्य व्यक्ति खड़ा होकर आपस में बातचीत कर रहे थे। पुलिस को देखते ही सभी भागने लगे, जिन्हें बल के सहयोग से पकड़ लिया गया। तलाशी के दौरान ई-रिक्शा में छिपाकर रखा गया 3.748 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया। साथ ही 20,970 रुपये नगद, एक ई-रिक्शा और तीन मोबाइल फोन भी जब्त किए गए। पूछताछ में खुलासा हुआ कि रामनगर बगहा से गांजा लाकर गोपालगंज के तस्कर शंभू चौधरी को डिलीवरी दी जानी थी। इसी उद्देश्य से उसे मंगलपुर बुलाया गया था। पुलिस ने इस मामले में संदीप पटेल, संतोष पटेल, सुबोध यादव (तीनों थाना रामनगर बगहा) तथा शंभू चौधरी (थाना सदर गोपालगंज) को गिरफ्तार किया है। सभी अभियुक्तों के विरुद्ध अग्रतर विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ अभियान आगे भी सख्ती से जारी रहेगा।

मां सरस्वती को दी विदाई प्रतिमा का हुआ विसर्जन।

बीएनएम@ पकड़ीदयाल। शुक्रवार को पूरे प्रखंड में धूमधाम से बसंत पंचमी एवं सरस्वती पूजा मनाया गया। पूजा समितियों तथा शैक्षणिक संस्थानों में प्रतिमा स्थापित कर विद्या की देवी मां सरस्वती की आराधना की गई, शनिवार को विद्या की देवी मां सरस्वती की प्रतिमा का विसर्जन शनिवार को पूरे भक्ति भाव और पूजा-अर्चना के साथ की गई। इस दौरान महाआरती का आयोजन किया गया। इसके बाद मां की प्रतिमा को लेकर गाजे-बाजे के साथ जुलूस की शक्ल में नदी तालाबों तक ले जाया गया। जहां देवी की प्रतिमा को भावपूर्ण तरीके से विसर्जन किया गया। मौके पर श्रद्धालुओं द्वारा मां सरस्वती से विद्या और ज्ञान का वर मांगते हुए उन्हें विदा किया। इसके पहले विसर्जन जुलूस में शामिल युवकों व बड़े बुजुर्गों ने एक दूसरे को गुलाल लगाकर एक दूसरे को पूजा की बधाई दी। मौके पर मां सरस्वती के जयघोष से पूरा माहौल भक्ति मय हो उठा। प्रशासन द्वारा विसर्जन को लेकर सुरक्षा के दृष्टिकोण से सड़को के अलावा नदी तालाबों पर पुलिस के जवानों की तैनात की गई थी। कई पूजा समितियों द्वारा सोमवार को मूर्ति विसर्जन का कार्यक्रम रखा गया है। अधिकांश शैक्षिक संस्थानों में शनिवार को ही मूर्ति का विसर्जन किया गया। मौके पर शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों में पूरे माहौल भक्ति के सागर में डूबा रहा।

अरेराज में सामाजिक सुरक्षा योजना के तहत निर्धन महिलाओं के बीच वस्त्र वितरण

बीएनएम@ अरेराज। अनुमंडल पदाधिकारी, अरेराज के नेतृत्व में सामाजिक सुरक्षा योजना के अंतर्गत निर्धन एवं असहाय व्यक्तियों के बीच वस्त्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों को राहत पहुंचाना एवं उन्हें सरकारी कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ना रहा। वस्त्र वितरण योजना के तहत प्रखंड पहाड़पुर अंतर्गत ग्राम बलुआ बलुआ सौहरैया निवासी श्रीमती लालमुनि देवी, पति शंकर महतो को साड़ी प्रदान की गई। साड़ी प्राप्त कर लाभार्थी के चेहरे पर संतोष और खुशी स्पष्ट देखी गई। उन्होंने इस सहायता के लिए जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। अनुमंडल पदाधिकारी ने इस अवसर पर कहा कि सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का मुख्य उद्देश्य समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक सरकारी सहायता पहुंचाना है। प्रशासन लगातार प्रयासरत है कि निर्धन, वृद्ध, दिव्यांग एवं असहाय वर्ग के लोगों को समय पर योजनाओं का लाभ मिल सके।

आधार कार्ड में छेड़छाड़ कर सरकारी लाभ लेने व पासपोर्ट बनवाने का खुलासा

साइबर क्राइम के सहारे सरकारी योजनाओं का गबन

राकेश कुमार
सब- एडिटर-
बॉर्डर न्यूज मिरर

" हरसिद्धि पुलिस के खुलासे से राज्य भर में सरकार द्वारा चलाये जा रहे कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों की जांच के बाद एक बड़े घोटाले का पर्दाफाश हो सकता है। "

मोतिहारी। जिले के हरसिद्धि थाना क्षेत्र में साइबर धोखाधड़ी का एक बड़ा खेल पुलिस ने उजागर किया है, जिसमें दो आरोपी आधार कार्ड में डेटा में छेड़छाड़ कर फर्जी वृद्धा पेंशन दिलवाने में संलिप्त पाए गए। इस घोटाले से सरकार को लाखों रुपये का नुकसान होने का अनुमान है। शुक्रवार की रात हरसिद्धि थानाध्यक्ष सह डीएसपी ऋषभ कुमार और मोतिहारी साइबर डीएसपी अभिनव परासर के नेतृत्व में गठित संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया।

गिरफ्तार आरोपियों में हरसिद्धि थाना क्षेत्र के यादवपुर पंचायत, वार्ड संख्या 14 निवासी इंसाफर अली और मधुबन थाना क्षेत्र के सतसरी वार्ड 14 निवासी मीर आलम शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि इंसाफर अली अपने सीएसपी सेंटर का उपयोग कर इस फर्जीवाड़े को अंजाम देता था। उसकी निशानदेही पर मधुबन से मीर आलम को भी गिरफ्तार किया गया।

छापेमारी के दौरान इंसाफर अली के घर से छह फर्जी पासपोर्ट, दो मोबाइल फोन और आठ आधार कार्ड बरामद किए गए। फर्जी पासपोर्ट पर भागलपुर, सुपौल और अन्य जिलों के लोगों के नाम दर्ज थे। इसके अलावा तीन अन्य लोगों के मुख्यमंत्री वृद्धा पेंशन योजना के आवेदन भी मिले।

पूछताछ में खुलासा हुआ कि आरोपी यूसीएल आईडी खरीदकर आधार कार्ड में जन्मतिथि बदलते और इसके माध्यम से वृद्धा पेंशन के लिए आवेदन करते थे। इसके बाद फर्जी लाभ पाने वाले लोगों के खाते में पेंशन जमा करवाई जाती थी। इस काम के एवज में आरोपी प्रति व्यक्ति 1,000 से 1,200 रुपये लेते थे।

पुलिस ने बताया कि इस घोटाले से केवल सरकारी खजाने को ही नुकसान नहीं हुआ बल्कि योजना का असली लाभ पाने वाले बुजुर्गों को भी ठगा गया। यह मामला साइबर फ्रॉड और भ्रष्टाचार के एक बड़े खेल को उजागर करता है।

छापेमारी दल में दोनों डीएसपी के अलावा दरोगा अविनाश कुमार, दरोगा अर्जुन रविदास, साइबर थाना अधिकारी और सशस्त्र बल शामिल थे। पुलिस ने कहा कि दोनों आरोपी को जेल भेज दिया गया है और मामले की आगे की जांच जारी है, जिसमें यह पता लगाया जा रहा है कि इस नेटवर्क में और कौन-कौन लोग शामिल थे।

पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि अपने आधार और व्यक्तिगत डेटा किसी अनजान व्यक्ति को न दें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना दें।

राष्ट्रीय बालिका दिवस पर जिहुली पंचायत में जागरूकता व सशक्तिकरण का संदेश

बीएनएम@पताही

राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर पताही प्रखंड अंतर्गत जिहुली पंचायत में बालिका सशक्तिकरण को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर पंचायत के सरपंच रितेश कुमार ने अभिभावकों और बालिकाओं को संबोधित करते हुए समाज के समग्र विकास में बेटियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। सरपंच रितेश कुमार ने कहा कि किसी भी सभ्य और विकसित समाज की पहचान वहां की महिलाओं और बालिकाओं की स्थिति से होती है। आज जरूरत है कि बेटियों को शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा के समान एवं बेहतर अवसर उपलब्ध कराए जाएं। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे बेटियों को बोझ न समझें, बल्कि उनकी प्रतिभा को पहचानते हुए आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें और उनकी पढ़ाई में किसी प्रकार की बाधा न आने दें। उन्होंने बाल विवाह, भ्रूण हत्या और लैंगिक भेदभाव जैसी सामाजिक कुरीतियों को समाज की प्रगति में सबसे बड़ी बाधा बताते हुए इन्हें जड़ से समाप्त करने की आवश्यकता पर बल दिया। सरपंच ने कहा कि बेटियों को आत्मनिर्भर बनाकर ही एक सशक्त समाज और राष्ट्र का निर्माण संभव है। कार्यक्रम के दौरान बालिकाओं से आत्मविश्वास के साथ शिक्षा ग्रहण करने, अपने अधिकारों को पहचानने और लक्ष्य के प्रति निरंतर प्रयासरत रहने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में सकारात्मक सोच और जागरूकता को बढ़ावा देना रहा।

एसडीएम रक्सौल द्वारा निजी विद्यालयों का औचक निरीक्षण, अभिभावकों को मिली बड़ी राहत

बीएनएम@रक्सौल

निजी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों के अभिभावकों के लिए राहत भरी खबर है। अब निजी विद्यालय अभिभावकों को पुस्तक, कॉपी, यूनिफॉर्म, बैग, जूते, टाई-बेल्ट आदि शैक्षणिक सामग्री किसी विशेष दुकान, विक्रेता या वेबसाइट से खरीदने के लिए बाध्य नहीं कर सकेंगे। दरअसल, निजी विद्यालयों द्वारा अभिभावकों पर मनपसंद विक्रेताओं से सामग्री खरीदने का दबाव बनाए जाने की लगातार शिकायतें मिल रही थीं, जिससे अभिभावकों पर अनावश्यक आर्थिक बोझ पड़ रहा था। इसको गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल ने सख्त रुख अपनाते हुए निजी विद्यालयों के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इसी क्रम में जिलाधिकारी के निर्देश पर शनिवार को एसडीएम रक्सौल मनीष कुमार एवं प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी ब्रजेश कुशवाहा ने संयुक्त रूप से शहर के कैंब्रिज पब्लिक स्कूल, सेंट बेसिल्स स्कूल, एसएवी, शिंदे एकेडमी और चंद्रशील विद्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विद्यालयों के निदेशक, संचालक, प्राचार्य एवं बोर्ड सदस्यों के साथ बैठक भी आयोजित की गई। बैठक में अधिकारियों ने निर्देश दिया कि सभी निजी विद्यालय आगामी 10 फरवरी से पहले प्रत्येक कक्षा की अनिवार्य पुस्तकों की सूची एवं यूनिफॉर्म का विवरण विद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड करें और विद्यालय परिसर के किसी सार्वजनिक स्थान पर चस्पा करें। साथ ही यूनिफॉर्म में अगले तीन वर्षों तक कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। आदेश का उल्लंघन करने पर विद्यालय संचालक, प्रबंधक, प्राचार्य एवं बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। एसडीएम मनीष कुमार ने स्पष्ट कहा कि अभिभावकों को पूरी स्वतंत्रता मिलनी चाहिए। अनियमितता की स्थिति में अभिभावक अनुमंडल कार्यालय में शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

जर्जर डुमरियाघाट पुल को लेकर गोपालगंज सांसद की बड़ी पहल, गडकरी से मिलकर सुपर स्टील स्ट्रक्चर ब्रिज के मंजूरी की उठाई मांग

एक जनवरी को पत्र लिखकर सांसद ने सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री से की मुलाकात, मंत्री ने दिया आश्वासन

» ईस्ट वेस्ट कॉरिडोर के एनएच 27 पर सड़क फोरलेन का और सिंगल लेन का है जर्जर पुल
» गाड़ियां चलने पर हवा में डोलता है यह जर्जर पुल, सुपर स्टील स्ट्रक्चर के बिना पुल निर्माण नही है संभव

बीएनएम@ डुमरियाघाट@अमित कुमार सिंह

नेशनल हाइवे-27 पर गंडक (नारायणी) नदी पर स्थित डुमरियाघाट पुल अब सिर्फ एक पुल नहीं, बल्कि रोज़ाना हादसों का न्योता बन चुका है। पिछले तीन से चार दशकों से जर्जर पड़े इस पुल पर हर गुजरता वाहन जान हथेली पर रखकर सफर करता है। इसी गंभीर और भयावह स्थिति को लेकर गोपालगंज के सांसद डॉ. आलोक कुमार सुमन ने आखिरकार केंद्र सरकार का दरवाज़ा खटखटाया है। विगत एक जनवरी को सांसद ने सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात कर पुल निर्माण से संबंधित पत्र सौंपा और साफ शब्दों में कहा कि डुमरियाघाट पुल अब मरम्मत नहीं, बल्कि तत्काल पुनर्निर्माण की मांग करता है। सांसद ने पत्र में स्पष्ट किया कि यह पुल पिछले 30–40 वर्षों से अत्यधिक जर्जर अवस्था में है और हर दिन इस पर गंभीर दुर्घटनाएं हो रही हैं। बावजूद इसके, विभागीय उदासीनता आज तक जारी है। सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि इस पुल के निर्माण और पुनर्निर्माण के नाम पर अब तक तीन-तीन कंपनियां बदल चुकी हैं। पहले दो टेंडर में काम कर रही कंपनियों के दौरान पुल के पिलर और स्पैन में दरारें आ गईं, जिससे निर्माण कार्य बीच में ही रोकना पड़ा। करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद कंपनियां काम छोड़कर चली गईं। तीसरी कंपनी को भी टेंडर दिया गया, लेकिन तकनीकी खामियों का हवाला देकर उसने भी हाथ खड़े कर दिए। सवाल यह है कि जब तीन-तीन एजेंसियां इस पुल को बनाने में विफल रहीं, तो आखिर जिम्मेदार कौन है? डॉ. आलोक कुमार सुमन ने अपने पत्र में बताया कि दिशा की बैठकों में यह मुद्दा बार-बार उठाया गया। इसके बाद परियोजना निदेशक द्वारा गठित विशेष तकनीकी कमिटी ने स्पष्ट रूप से सिफारिश की कि डुमरियाघाट पुल का निर्माण सुपर स्टील स्ट्रक्चर, स्टील फ्रेम या गार्डर सिस्टम से ही किया जाना सुरक्षित विकल्प है। इसका प्रस्ताव भी संबंधित विभाग को भेजा जा चुका है, लेकिन हैरानी की बात यह है कि आज तक न तो इसकी स्वीकृति मिली है और न ही कोई ठोस जवाब आया है। सांसद ने पत्र के माध्यम से दुर्घनाओं का हवाला देते हुए कहा है कि अगर शीघ्र निर्णय नहीं लिया गया, तो किसी बड़ी दुर्घटना की पूरी जिम्मेदारी सिस्टम और विभाग की होगी। उन्होंने केंद्रीय मंत्री से मांग की है कि जन सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए तत्काल सुपर स्टील स्ट्रक्चर से पुल निर्माण की मंजूरी दी जाए और वर्षों से मौत का फंदा बने इस पुल से लोगों को निजात दिलाई जाए। अब बड़ा सवाल यह है कि क्या केंद्र सरकार किसी बड़ी अनहोनी का इंतजार कर रही है, या फिर डुमरियाघाट के लोगों को सच में सुरक्षित पुल मिलेगा।

आधार कार्ड में छेड़छाड़ कर सरकारी लाभ लेने व पासपोर्ट बनवाने का खुलासा

» साइबर क्राइम के सहारे सरकारी योजनाओं का गबन

बीएनएम@मोतिहारी @ राकेश कुमार

जिले के हरसिद्धि थाना क्षेत्र में साइबर धोखाधड़ी का एक बड़ा खेल पुलिस ने उजागर किया है, जिसमें दो आरोपी आधार कार्ड में डेटा में छेड़छाड़ कर फर्जी वृद्धा पेंशन दिलवाने में संलिप्त पाए गए। इस घोटाले से सरकार को लाखों रुपये का नुकसान होने का अनुमान है। शुक्रवार की रात हरसिद्धि थानाध्यक्ष सह डीएसपी ऋषभ कुमार और मोतिहारी साइबर डीएसपी अभिनव परासर के नेतृत्व में गठित संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों में हरसिद्धि थाना क्षेत्र के यादवपुर पंचायत, वार्ड संख्या 14 निवासी इंसाफर अली और मधुबन थाना क्षेत्र के सतसरी वार्ड 14 निवासी मीर आलम शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि इंसाफर अली अपने सीएसपी सेंटर का उपयोग कर इस फर्जीवाड़े को अंजाम देता था। उसकी निशानदेही पर मधुबन से मीर आलम को भी गिरफ्तार किया गया। छापेमारी के दौरान इंसाफर अली के घर से छह फर्जी पासपोर्ट, दो मोबाइल फोन और आठ आधार कार्ड बरामद किए गए। फर्जी पासपोर्ट पर भागलपुर, सुपौल और अन्य जिलों के लोगों के नाम दर्ज थे। इसके अलावा तीन अन्य लोगों के मुख्यमंत्री वृद्धा पेंशन योजना के आवेदन भी मिले। पूछताछ में खुलासा हुआ कि आरोपी यूसीएल आईडी खरीदकर आधार कार्ड में जन्मतिथि बदलते और इसके माध्यम से वृद्धा पेंशन के लिए आवेदन करते थे। इसके बाद फर्जी लाभ पाने वाले लोगों के खाते में पेंशन जमा करवाई जाती थी। इस काम के एवज में आरोपी प्रति व्यक्ति 1,000 से 1,200 रुपये लेते थे। पुलिस ने बताया कि इस घोटाले से केवल सरकारी खजाने को ही नुकसान नहीं हुआ बल्कि योजना का असली लाभ पाने वाले बुजुर्गों को भी ठगा गया। यह मामला साइबर फ्रॉड और भ्रष्टाचार के एक बड़े खेल को उजागर करता है। छापेमारी दल में दोनों डीएसपी के अलावा दरोगा अविनाश कुमार, दरोगा अर्जुन रविदास, साइबर थाना अधिकारी और सशस्त्र बल शामिल थे। पुलिस ने कहा कि दोनों आरोपी को जेल भेज दिया गया है और मामले की आगे की जांच जारी है, जिसमें यह पता लगाया जा रहा है कि इस नेटवर्क में और कौन-कौन लोग शामिल थे। पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि अपने आधार और व्यक्तिगत डेटा किसी अनजान व्यक्ति को न दें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना दें।

नेपाल–भारत संबंधों की मजबूती के लिए जिम्मेदार मीडिया आवश्यकः मंत्री

» भ्रामक सूचनाओं से बचकर तथ्यपरक पत्रकारिता का आह्वान

बीएनएम@ रक्सौल

नेपाल और भारत के बीच सदियों पुराने प्रगाढ़ संबंधों को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए मीडिया को जिम्मेदार, सजग और रचनात्मक भूमिका निभानी होगी। यह विचार शुक्रवार को वीरगंज स्थित टाउनहॉल में आयोजित 'नेपाल–भारत संबंधों में मीडिया की भूमिका' विषयक विचार गोष्ठी में वक्ताओं ने व्यक्त किए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मधेश प्रदेश के भूमि व्यवस्था, कृषि एवं सहकारी मंत्री श्याम बाबू पटेल ने कहा कि नेपाल–भारत के संबंध केवल कूटनीतिक नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक आधार पर टिके हुए हैं। उन्होंने कहा कि पहले सीमावर्ती समाज का प्रभाव सीमा पर अधिक दिखाई देता था, लेकिन वर्तमान समय में दिल्ली और काठमांडू की नीतियों की छाया सीमा क्षेत्रों में स्पष्ट रूप से नजर आती है। ऐसे में भले ही निर्णय राष्ट्रहित में हों, लेकिन मधेश और भारत के बीच सदियों पुराने रोटी–बेटी के रिश्तों को हर हाल में बनाए रखना आवश्यक है। मंत्री पटेल ने सीमावर्ती क्षेत्रों की साझा समस्याओं पर मीडिया की पैनी नजर की आवश्यकता बताते हुए कहा कि मर्यादित, संतुलित और तथ्यपरक पत्रकारिता ही दोनों देशों के संबंधों को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकती है। संविधान सभा सदस्य अजय द्विवेदी ने कहा कि नेपाल–भारत का संबंध प्राकृतिक और नैसर्गिक है, लेकिन वर्तमान समय में आपसी मैत्री संबंध पहले जैसे सुदृढ़ नहीं रह गए हैं, जो चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि पीपुल्स टू पीपुल्स रिलेशन को कमजोर नहीं होने देना चाहिए, इसके लिए मीडिया को सक्रिय भूमिका निभानी होगी। नेपाल पत्रकार महासंघ के पूर्व केंद्रीय अध्यक्ष हरिहर विरही और प्रेस यूनियन के अध्यक्ष शिव लम्साल ने कहा कि मीडिया का दायित्व केवल समाचार संप्रेषण तक सीमित नहीं है, बल्कि नेपाल और भारत के नागरिकों के बीच सेतु का कार्य करना भी है। वहीं इंडिया मीडिया जर्नलिस्ट यूनियन (आईएमजेयू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष बाला भास्कर ने सीमावर्ती पत्रकारों के लिए साझा संवाद तंत्र विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्व पत्रकार महासंघ (एशिया–प्रशांत) के संयुक्त सचिव दीपेंद्र चौहान ने सीमा क्षेत्र में कार्यरत पत्रकारों की सुरक्षा चुनौतियों, जिम्मेदारियों और पेशेवर मर्यादाओं पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने सोशल मीडिया के दौर में भ्रामक सूचनाओं से सतर्क रहने और राष्ट्रीय हित के साथ पत्रकारिता मूल्यों को बनाए रखने पर जोर दिया।

बैडमिंटन टूर्नामेंट गैर-जरूरी विवाद से घिरा

2026 में भारत वर्ल्ड चैंपियनशिप की मेजबानी करने वाला है। भारत 2036 ओलंपिक की मेजबानी का भी दावेदार है। इस बीच विदेशी खिलाड़ियों की शिकायतों से भारत की इंफ्रास्ट्रक्चर और पर्यावरण प्रबंधन क्षमता को लेकर खराब छवि बन सकती है। भारत की मेजबानी व्यवस्था पर डेनमार्क के खिलाड़ियों के गंभीर सवाल उठाने से इंडिया ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट गैर-जरूरी विवाद से घिर गया है। भारतीय जनमत के एक हिस्से ने आलोचनाओं को सहज स्वीकार नहीं किया है। बल्कि किंडबी श्रीकांत जैसे बड़े खिलाड़ी जवाब देने के अंदाज मे यह बताने की हद तक चले गए हैं कि डेनमार्क में व्यवस्था भारत से कहीं खराब रहती है। बहरहाल, ऐसे जवाबों से मूलभूत समस्याओं का समाधान नहीं होगा। नजरिया सुधार का नहीं रहा, तो उसका असर भविष्य में भारत की खेल मेजबानियों पर पड़ सकता है। विश्व के नंबर तीन खिलाड़ी और चार बार के वर्ल्ड चैंपियनशिप पदक विजेता एंडर्स एंटोनसन नई दिल्ली में वायु प्रदूषण के कारण लगातार तीसरे साल टूर्नामेंट में भाग लेने नहीं आए। विवाद हुआ, तो दिल्ली के एक्यूआई डेटा का स्क्रीन शॉट सोशल मीडिया पर डालते हुए कहा कि यह बैडमिंटन खेलने के लिए उपयुक्त नहीं है। टूर्नामेंट में ना आने के कारण बैंटमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन ने उन पर 5000 डॉलर का जुर्माना लगाया है। बहरहाल, टूर्नामेंट में आईं डेनमार्क की ही खिलाड़ी मिया ब्लिचफेल्ट ने प्रशिक्षण स्थल जाधव इंडोर स्टेडियम और प्रतियोगिता स्थल इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में गंदगी और धूल की शिकायत की। कहा कि यह खेल योग्य स्वस्थ माहौल नहीं है। इसी विवाद के बीच इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में खेल के दौरान बंदर के घुस आने की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुईं। 2026 में भारत वर्ल्ड चैंपियनशिप की मेजबानी करने वाला है। उसके पहले अंतरराष्ट्रीय ख्याति के खिलाड़ियों की इस तरह की शिकायतें दुर्भाग्यपूर्ण हैं। भारत 2036 ओलंपिक की मेजबानी के लिए भी गंभीर दावेदार है। इस बीच विदेशी खिलाड़ियों की शिकायतें भारत की इंफ्रास्ट्रक्चर और पर्यावरण प्रबंधन क्षमता को लेकर नकारात्मक छवि बना सकती हैं। उससे भारत के खुद को स्पोर्ट्स हब के रूप में पेश करने के प्रयासों पर खराब असर हो सकता है।

वैश्विक विश्वास बहाली के लिए भारत को अभी कई कदम चलना है

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारत की उपस्थिति आज आर्थिक, औद्योगिक, कृषि, तकनीकी, ऊर्जा और सैन्य क्षेत्रों में दुनिया के अग्रणी देशों के समकक्ष पहुंच गई है। विश्व में भारत जनसंख्या के नजरिए से दूसरे स्थान पर है। दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का ऐतिहासिक मुकाम हासिल हमने किया है। क्रय शक्ति समानता के आधार पर भारत पहले से ही तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। विनिर्माण और औद्योगिक क्षेत्र में भी भारत ने बड़ा उछाल दर्ज किया है। एशिया मैन्युफैक्चरिंग इंडेक्स में भारत शीर्ष 10 देशों में शामिल है और मोबाइल फोन निर्माण के क्षेत्र में भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक बन चुका है। इसी तरह फार्मास्युटिकल उद्योग में भारत को दुनिया की "फार्मेसी" कहा जाता है क्योंकि यह जेनेरिक दवाओं का सबसे बड़ा वैश्विक आपूर्तिकर्ता और फार्मा उत्पादन में शीर्ष तीन देशों में शामिल है। इसी तरह से कृषि क्षेत्र में भारत की वैश्विक स्थिति और भी मजबूत है। वह आज दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश है। दालों और मसालों के उत्पादन में भारत विश्व में पहला स्थान रखता है, जबकि चावल और गेहूं के उत्पादन में भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। चीनी उत्पादन और उपभोग दोनों में भारत वैश्विक स्तर पर दूसरे स्थान पर है। वस्तुतः ये आँकड़े बताते हैं कि भारत खाद्य सुरक्षा में आत्मनिर्भर होने के साथ ही वैश्विक खाद्य आपूर्ति में भी अहम भूमिका निभा रहा है। प्रौद्योगिकी और डिजिटल क्षेत्र में भारत की स्थिति लगातार मजबूत हो रही है। आईटी और सॉफ्टवेयर सेवाओं के निर्यात में भारत दुनिया के अग्रणी देशों में शामिल है और कई रिपोर्टों के अनुसार यह क्षेत्र भारत को वैश्विक स्तर पर पहला या शीर्ष स्थान दिलाता है। यूपीआई जैसे प्लेटफॉर्म के माध्यम से भारत आज डिजिटल लेनदेन के मामले में दुनिया के सबसे बड़े देशों में शामिल हो चुका है, जिसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक मॉडल के रूप में देखा जा रहा है। ऐसे ही अन्य प्रमुख क्षेत्रों की बात करें तो भारत की पर्यटन अर्थव्यवस्था अब दुनिया की आठवीं सबसे बड़ी पर्यटन अर्थव्यवस्था बन चुकी है। सैन्य शक्ति के मामले में ग्लोबल फायरपावर इंडेक्स जैसी रैंकिंग के अनुसार भारत के पास दुनिया की चौथी सबसे शक्तिशाली सेना है। ऊर्जा क्षेत्र में सौर तथा पवन ऊर्जा क्षमता के मामले में भारत आज दुनिया के शीर्ष पाँच देशों में शामिल है। इसके साथ ही कच्चा इस्पात उत्पादन में भारत दुनिया में दूसरे स्थान पर है। निश्चित ही ये सभी आंकड़ें हमें उत्साह से भर देते हैं, किंतु इसके बाद भी विश्व के देशों के बीच विश्वास बहाली में अभी भी हमको अनेक कदम सफलता से पार करने की आवश्यकता है। कहना होगा कि अभी भी भारत दुनिया के देशों में अपने को लेकर वह भरोसा नहीं पैदा कर पाया है, जोकि उसे लेकर होना ही चाहिए, क्योंकि उसका मूख्य ध्येय वाक्य वसुधैव कुटुंबकम् अर्थात् पूरी धरती ही एक परिवार है में निहित है। किंतु 2026 की पासपोर्ट रैंकिंग के आए आंकड़े क्या कहते हैं? यह कि 2026 में भारत 80वें स्थान पर है, जो पिछले साल के मुकाबले पांच पायदान ऊपर जरूर आया है, किंतु संतोष जनक या उत्साहवर्धक नहीं हैं। हालांकि 2025 में भारत 85वें पायदान पर था, यह सच है कि हमारी स्थिति पहले से लगातार सुधर रही है और वर्तमान में भारतीय पासपोर्ट धारकों को अब 55 देशों में वीजा फ्री या वीजा ऑन अराइवल सुविधा मिलती है। माना कि यह सुधार सकारात्मक संकेत देता है, लेकिन साथ में ये भी विचार किया जाए कि हमसे आगे 54 देश कौन से हैं? इस साल सिंगापुर का पासपोर्ट दुनिया का सबसे शक्तिशाली घोषित किया गया। इसका अर्थ यह है कि सिंगापुर का पासपोर्ट रखने वाला व्यक्ति बिना वीजा 192 देशों में यात्रा कर सकता है। सिंगापुर के बाद दूसरे स्थान पर जापान और साउथ कोरिया हैं, जिन्हें 188 देशों में वीजा फ्री एंट्री मिलती है। यूरोप के कई देश तीसरे और चौथे पायदान पर हैं, जबकि संयुक्त अरब अमीरात ने बीते दो दशकों में 57 पायदान की छलांग लगाते हुए खुद को टॉप 5 में पहुंचा दिया है। अमेरिका की स्थिति भी चर्चा में है, पिछले साल गिरावट के बाद अमेरिका फिर टॉप 10 में लौट आया है और 179 देशों में वीजा फ्री पहुंच के साथ 10वें स्थान पर है। ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और मलेशिया भी टॉप 10 में जगह बनाने में सफल रहे हैं। इसके उलट दुनिया के सबसे कमजोर पासपोर्ट की सूची में अफगानिस्तान सबसे नीचे है। अफगान पासपोर्ट के साथ केवल 24 देशों में बिना

वीजा यात्रा संभव है, उसके बाद सीरिया (100वें), इराक (99वें), पाकिस्तान (98वें), यमन और सोमालिया जैसे देश हैं। ये रिपोर्ट कहती है कि आज सबसे मजबूत और सबसे कमजोर पासपोर्ट के बीच 168 देशों का अंतर हो चुका है। पाकिस्तान 98वें रैंक में आकर टॉप 100 में आने में कामयाब हो गया। पिछले साल यह 103 पर था। अब इसमें बड़ा प्रश्न यह है कि क्या हम अपनी तुलना इस संदर्भ में बांग्लादेश, अफगानिस्तान, पाकिस्तान, श्रीलंका, नेपाल या अपने अन्य पड़ौसी देशों से करें? क्या ये तुलना सही होगी या फिर हमें विकास के शीर्ष देशों और चीन, जर्मनी, कोरिया, जापान के साथ अमेरिका, युरोप के बड़े और सफल देशों के साथ अपनी तुलना करनी चाहिए! इस हेनले पासपोर्ट इंडेक्स की नवीनतम रिपोर्ट में वैश्विक रैंकिंग में चीन इस वर्ष 59वें स्थान पर है। चीनी पासपोर्ट धारक अब दुनिया के 81 देशों में बिना पूर्व वीजा (वीजा-मुक्त या आगमन पर वीजा) के यात्रा कर सकते हैं। पिछले एक दशक में चीन की रैंकिंग में काफी सुधार हुआ है। 2015 में यह 94वें स्थान पर था, जो अब 59वें पर आ गया है। इसी तरह से टॉप 10 में शामिल सिंगापुर समेत जैसा कि बताया गया है कि आज जापान, साउथ कोरिया, डेनमार्क, लक्जमबर्ग, स्पेन, स्वीडन, स्विट्जरलैंड, ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, फिनलैंड, फ्रांस, जर्मनी, ग्रीस, आयरलैंड, इटली, नीदरलैंड, नॉर्वे, हंगरी, पुर्तगाल, स्लोवाकिया, स्लोवेनिया, यूएई, क्रोएशिया, चेकिया, एस्टोनिया, माल्टा, न्यूजीलैंड, पोलैंड, ऑस्ट्रेलिया, लातविया, लिकटेंस्टाइन, यूनाइटेड किंगडम, कनाडा, आइसलैंड, लिथुआनिया, मलेशिया और दसवें नंबर पर अमेरिका इसमें शामिल है। यहां ध्यान देने योग्य है कि कई देश इस सूची में दूसरे से लेकर 9वें स्थान पर एक साथ होने के कारण से इतने देशों के नाम यहां दिखाई दे रहे हैं, हमारे लिए विचारणीय यह है कि इसमें कई देश आज ऐसे भी शामिल हैं जो बहुत छोटे इतने कि भारत के एक राज्य से भी छोटे हैं, तब भी वे हमसे "पासपोर्ट इंडेक्स" में आगे हैं! इसका मतलब यह है कि वैश्विक बहाली और भरोसेमंद राष्ट्र बनने के लिए हमें अभी बहुत आगे तक जाना है, भरोसा सिर्फ बड़ा देश या शक्ति सम्पन्न होने से ही नहीं आता, यह भरोसा आपके नियमित व्यवहार, शक्ति, सामर्थ्य, आर्थिक विकास, अतिथियों के प्रति आपका व्यहार जैसे सभी सद्गुणों एवं विकास के स्थरि मापदंडों के कारण से भी आता है। ऐसे में हम समग्र रूप से इन सब में कहां खड़े हैं, इसका विचार तो हम सीभ को एक बार जरूर करना ही चाहिए, आखिर क्यों नहीं हम सब कुछ होने के बाद भी चीन से भी बहुत पीछे दिखाई देते हैं?

भारत की विविधता और विकास का उत्सव

कांतिलाल मांडोत

भारत में हर वर्ष पच्चीस जनवरी को राष्ट्रीय पर्यटन दिवस मनाया जाता है। इस दिवस का उद्देश्य देश की अर्थव्यवस्था में पर्यटन के महत्व और उसके सामाजिक सांस्कृतिक तथा आर्थिक प्रभावों के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना है।भारत विश्व के उन गिने चुने देशों में है जहां प्राकृतिक सौंदर्य ऐतिहासिक धरोहर आध्यात्मिक परंपरा और सांस्कृतिक विविधता एक साथ देखने को मिलती है। राष्ट्रीय पर्यटन दिवस इन सभी विशेषताओं को सामने लाकर भारत को वैश्विक पर्यटन मंच पर सशक्त रूप से प्रस्तुत करता है। पर्यटन का उद्देश्य रोजगार और पहचान का विस्तार राष्ट्रीय पर्यटन दिवस का मुख्य उद्देश्य भारतीय पर्यटन स्थलों का प्रचार करना है। इसके साथ ही पर्यटन उद्योग से जुड़े रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देना भी इस दिवस का अहम लक्ष्य है।पर्यटन ऐसा क्षेत्र है जो ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में आजीविका के अवसर पैदा करता है।इससे होटल परिवहन हस्तशिल्प स्थानीय बाजार और सांस्कृतिक गतिविधियों को नया जीवन मिलता है।पर्यटन और भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूतीबनी रहती है।आज पर्यटन भारतीय अर्थव्यवस्था का एक मजबूत स्तंभ बन चुका है।यह क्षेत्र प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से करोड़ों लोगों को रोजगार प्रदान करता है।पर्यटन के माध्यम से सरकार को हर वर्ष कर शुल्क और सेवाओं से बड़ी मात्रा में आय प्राप्त होती है।यह आय बुनियादी ढांचे सामाजिक योजनाओं और विकास कार्यक्रमों में उपयोग की जाती है।पर्यटन से बदलती तस्वीरजम्मू कश्मीर जैसे राज्य जहां औद्योगिक गतिविधियां सीमित हैं वहां पर्यटन आय का सबसे बड़ा स्रोत बन चुका है।पर्यटन से होटल टैक्स परिवहन शुल्क और स्थानीय उत्पादों की बिक्री के माध्यम से राज्य की आय तेजी से बढ़ रही है।पर्यटन ने इन क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर पैदा किए हैं।इसके साथ ही सामाजिक स्थिरता और शांति को भी आर्थिक आधार मिला है। ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और पर्यटन नीति का विकास भारत सरकार ने स्वतंत्रता के तुरंत बाद पर्यटन के महत्व को समझ लिया था।वर्ष उन्नीस सौ अड़तालीस में पर्यटन यातायात समिति का गठन इसी सोच का परिणाम था। वर्ष उन्नीस सौ सड़सठ में पर्यटन मंत्रालय की स्थापना के बाद पर्यटन को संस्थागत पहचान मिली।राष्ट्रीय पर्यटन दिवस इसी दीर्घकालिक नीति दृष्टिकोण का प्रतीक है।सरकारी पहलें और योजनागत प्रयासपर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने कई योजनाएं आरंभ की हैं। स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत थीम आधारित पर्यटन सर्किट विकसित किए जा रहे हैं। अपने देश पहल ने घरेलू पर्यटन को नई दिशा दी है।राष्ट्रीय हरित पर्यटन मिशन ने पर्यावरण संरक्षण को पर्यटन नीति से जोड़ा है।कौशल विकास की कमीएक बड़ी चुनौतीबनी हुई थी।पर्यटन उद्योग एक श्रम प्रधान क्षेत्र है।इस क्षेत्र में सेवा गुणवत्ता का सीधा संबंध प्रशिक्षित मानव संसाधन से होता है। लेकिन वर्षों से प्रशिक्षित जनशक्ति की उपलब्धता पर्यटन क्षेत्र के विकास के अनुरूप नहीं रही है।इसका प्रभाव पर्यटकों के अनुभव और सेवा स्तर पर पड़ता है।संसाधनों का अतिदोहन

और पर्यावरणीय दबाव-

अस्थिर पर्यटन प्राकृतिक संसाधनों पर अत्यधिक दबाव डालता है।भारत के हिमालयी क्षेत्रों में जल वन और भूमि संसाधन पहले से ही सीमित हैं। पर्यटन गतिविधियों के कारण मृदा क्षरण प्रदूषण और जैव विविधता को नुकसान हो रहा है। यह स्थिति भविष्य के लिए गंभीर पर्यावरणीय संकट पैदा कर सकती है।पर्वतीय राज्यों पर पर्यटन का भारजम्मू कश्मीर हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड जैसे राज्य अपनी पारिस्थितिक वहन क्षमता की सीमा तक पहुंच रहे हैं।यूपीएससी की परीक्षाओं में पूछे गए प्रश्न इस समस्या की गंभीरता को दर्शाते हैं। यदि पर्यटन विकास को संतुलित नहीं किया गया तो पर्यावरणीय क्षति अपरिवर्तनीय हो सकती है। इसलिए संरक्षण और विकास के बीच संतुलन अत्यंत आवश्यक है।बुनियादी सुविधाएं और सुरक्षा की जरूरत भारत के कई पर्यटन स्थलों पर स्वास्थ्य स्वच्छता परिवहन और सुरक्षा सुविधाएं अपर्याप्त हैं। यह स्थिति विशेष रूप से ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में अधिक दिखाई देती है।अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए आधुनिक अवसंरचना अनिवार्य है।इन क्षेत्रों में निवेश पर्यटन क्षेत्र को और मजबूत बना सकता है। जिम्मेदार औरहरित पर्यटन की दिशासतत पर्यटन का अर्थ है। ऐसा पर्यटन जो पर्यावरण समाज और अर्थव्यवस्था के बीच संतुलन बनाए।इसके लिए पर्यटन प्रबंधन से जुड़े सभी हितधारकों की जवाबदेही जरूरी है।प्राकृतिक पारितंत्र में न्यूनतम हस्तक्षेप के साथ हरित पर्यटन को बढ़ावा देना समय की मांग है।संवहनीय अवसंरचना आत्मीय आतिथ्य को दीर्घकालिक आधार देती है।एकीकृत पर्यटनऔर डिजिटल प्रचारदेश भर में वांछित पर्यटन स्थलों की पहचान के लिए व्यापक बाजार अध्ययन आवश्यक है।इसके आधार पर पर्यटन स्थलों का मानचित्रण किया जा सकता है।डिजिटल माध्यम और सोशल मीडिया के जरिए इन स्थलों का प्रचार किया जा सकता है। यह एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना को सशक्त करेगा। एक राज्य एकपर्यटन शुभंकर राज्यों के पशुओं और प्रतीकों को पर्यटन शुभंकर के रूप में अपनाया जा सकता है। यह विशेष रूप से बच्चों के बीच पर्यटन शिक्षा को रोचक बना सकता है।इससे राज्यों की अलग पहचान बनेगी।पर्यटन ब्रांड को नई ऊर्जा मिलेगी। जी-20 अध्यक्षताऔर वैश्विक अवसर आज की मांग है।भारत की जी-20 अध्यक्षता ने देश को विश्व मंच पर प्रस्तुत होने का अवसर दिया।अतिथि देवो भव की परंपरा ने भारत की सांस्कृतिक छवि को मजबूत किया।विदेशी प्रतिनिधिमंडलों के आगमन से भारत की पर्यटन क्षमता को वैश्विक पहचान मिली। इसका लाभ आने वाले वर्षों में पर्यटन क्षेत्र को मिलेगा। भविष्य की संभावनाएं भारत के लिए सुनहरा समय पर्यटन से सरकार की आय लगातार बढ़ रही है। जम्मू कश्मीर जैसे राज्यों में पर्यटन आर्थिक पुनरुत्थान का आधार बन चुका है।

गणतंत्र का उत्सव और बसंत पंचमी

हृदयनारायण दीक्षित

कल भारतीय गणतंत्र की 76वीं वर्षगांठ है। राष्ट्र अपने गणतंत्र दिवस को लेकर बहुत उत्साहित है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में गणतंत्र दिवस की तैयारियां जोरों पर हैं। अतिरिक्त गणतंत्र का उत्सव और बसंत पंचमी साथ-साथ हैं। वैसे गणतंत्र दिवस और बसंत पंचमी एक दिन के ही उत्सव नहीं हैं। बसंत पंचमी हर बरस आती है। हवाओं में भी गंध होती है। फूलों का यौवन आकर्षित करता है। यह आकर्षण दैहिक नहीं है। शीत ऋतु विदा हो रही है और बसंत उत्सव विस्तृत हो रहा है। नदियां शांत प्रशांत होकर बह रही हैं। बसंत पंचमी सरस्वती की भी जन्मतिथि है। आनंद का अवसर है कि भारत में दोनों उत्सव साथ-साथ आते हैं। महाकवि सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' की 'सरस्वती वंदना' राष्ट्रीय स्तर पर लोकप्रिय है, "वर दे, वीणावादिनी वर दे! प्रिय स्वतंत्र-रव अमृत-मंत्र नव भारत में भर दे! वर दे, वीणावादिनी वर दे।" उत्सवों के कर्मकाण्ड प्रायः सरस्वती वंदना से शुरू होते हैं। सरस्वती वाग्देवी हैं। ज्ञानदात्री हैं। सिद्धिदात्री हैं। वे सामान्य ज्ञान तो देती ही हैं। ऋग्वेद के ऋषि कहते हैं, "कवि सरस्वती की कृपा से ही बनते हैं और प्रतिष्ठित होते हैं।" भारत की स्मृतियों के भीतर भी सरस्वती बहती हैं। इसी सरस्वती के तट पर यज्ञ होते थे। गीत गाए जाते थे। ज्ञान की आराधना होती थी। ऋषियों ने सरस्वती को नदीतमा कहा है। कुछ इतिहास के विद्वान सरस्वती को कवि की कल्पना मानते हैं। लेकिन सरस्वती का पता चल चुका है। वैज्ञानिक खोजों से सिद्ध हो या न हो, सरस्वती भारत की श्रुति में और स्मृति में पहले से ज्यादा प्रवाहमान होकर बहती हैं। बसंत का रूप मनोहारी सुंदरता में दिखाई पड़ता है। मगर स्पर्श में नहीं आता। मन करता है कि फूल की गंध का स्पर्श करूँ। रूप, रस, गंध, सौंदर्यबोध के परिणाम हैं और भारतवासियों का सौंदर्यबोध विश्व में अनूठा है। पौराणिक काल में बसंत को मदनोत्सव भी कहा गया है और मदनोत्सव कोई कर्मकाण्ड नहीं है। प्रकृति के सत्य को देखना पर्याप्त नहीं है। प्रकृति को शिव कल्याणकारी भी होना चाहिए और सत्य व शिव सौंदर्यविहीन नहीं हो सकते। सत्य सत्य है और वही शिव भी है और वही सुंदर। भारतीय सौंदर्यबोध गहरा है। ब्रह्म संपूर्णता है। ब्रह्म का बोध आनंददाई होता है और सौंदर्य का बोध अस्थाई। पूर्वज जानते थे कि सौंदर्य का आकर्षण अल्पकालिक होता है और सौंदर्यबोध भी। संस्कृत कवियों ने सौंदर्य की भावना को एकाग्रता लाने वाला बताया है। अभिनव गुप्त ने इसे दीत विधना पतीत कहा है। हमारी दृष्टि के सामने अनेक वस्तुएं आती हैं। उनमें से कुछ हमारी भौतिक सत्ता पर अधिकार कर लेती हैं और भौतिक सत्ता का ज्ञान हवा हो जाता है। अद्वैत दर्शन के अनुसार, "स्थूल या सूक्ष्म जगत में आत्मा की अभिव्यक्ति ही सौंदर्य है।" प्रकृति बहुरूपिया है। ब्रह्म एक है। अभिव्यक्तियां अनेक हैं। प्रकृति में रूप हैं। रंग हैं। सौंदर्य है। रस है। नाद है। गंध है। पृथ्वी सगंधा है। प्रकृति के रूप और रंग का आनंद सौंदर्यबोध देता है। बसंत की वायु नाचते, गीत गाते, डरते डरते, चुपके-चुपके हमें सहलाते हुए चली जाती है। कोयल बोलती है। कोयल की बोली आनंदित करती है। कोयल का गीत सुनाई पड़ता है। हम उन्हें छू नहीं सकते। अरस्तू ने कला को प्रकृति की अनुकृति बताया है। भारतीय संस्कृति और दर्शन की परंपरा में ऋतुओं के रुपायन के साथ नृत्य और गीत का भी सुंदर विकास हुआ। महाभारत में संगीत का स्पष्ट उल्लेख है। अर्जुन ने इन्द्र से अस्त्र विद्या सीखी। वनपर्व के अनुसार अर्जुन ने युधिष्ठिर से कहा, "मैं विराटनगर की स्त्रियों को गीत, नृत्य और वाद्य की शिक्षा दूंगा।" महाभारत में संगीत और प्रकृति की आत्मीयता साफ सुनाई पड़ती है। यहां अलग-अलग राग हैं। दिवसों और प्रहारों के भी राग हैं। ऋग्वेद में बताया गया है कि संगीत और वाणी को सात स्वरों में मापा गया है। सरगम संगीत का माप है, स, रे, ग , म, प, ध, नी, स नाम से विख्यात भारतीय सरगम दुनिया का प्राचीनतम सुरमाप है। भारतीय रागों में प्रकृति की छटा है और छटा सुनाई भी पड़ती है। सौंदर्य को ध्वनि रूप प्रस्तुत करना बड़ा काम है। ध्वनि कान से भीतर जाती है और दृश्य आंख से। जो आंख से दर्शनीय है, उसे कान से सुनना कठिन है। लेकिन भारत में ऐसा असंभव संपन्न हो पाया। भारत में 6 ऋतुएं हैं और प्रत्येक ऋतु का अपना राग है। भैरव, डिंडोल, मेघ, श्रीराग, दीपक तथा मालकोश मुख्य राग हैं। यहां प्रत्येक राग अर्थ देता है। जिसका विवाह पांच रागिनियों से हुआ है। इस तरह कुल 6 राग और 30 रागिनियां होती हैं। गीत संगीत की व्याख्या करना इस छोटे से आलेख में संभव नहीं है और मैं स्वयं इसका अधिकारी नहीं हूं। भारत के संविधान निर्माताओं ने भारतीय संस्कृति के मूल तत्वों को ठीक से जाना था इसलिए उन्होंने भारतीय संस्कृति के अनुरूप चित्र संविधान में जोड़े थे। उन्होंने संविधान की हस्तलिखित प्रति में सांस्कृतिक राष्ट्रभाव वाले 23 चित्र सम्मिलित किए। मुखपृष्ठ पर राम और कृष्ण तथा भाग 1 में सिन्धु सभ्यता की स्मृति वाले मोहनजोदड़ो काल की मोहरों के चित्र हैं। भाग 2 नागरिकता वाले अंश में वैदिक काल के गुरूकुल आश्रम का दिव्य चित्र है। भाग 3-मौलिक अधिकार वाले पृष्ठ पर श्री राम की लंका विजय व भाग 4-राज्य के नीति निर्देशक तत्वों वाले पन्ने पर कृष्ण अर्जुन उपदेश वाले चित्र हैं। भाग 5 में महात्मा बुद्ध, भाग 6 में स्वामी महाबीर और भाग 7 में सम्राट अशोक के चित्र हैं। भाग 8 में गुप्त काल, भाग 9 में विक्रमादित्य, भाग 10 में नालंदा विश्वविद्यालय, भाग 11 में उड़ीसा का स्थापत्य, भाग 12 में नटराज, भाग 13 में भगीरथ द्वारा गंगावतरण, भाग 14 में मुगलकालीन स्थापत्य, भाग 15 में शिवाजी और गुरू गोविन्द सिंह, भाग 16 में महारानी लक्ष्मीबाई, भाग 17 व 18 में क्रमशः गांधी जी की दाण्डी यात्रा व नोआखाली दंगों में शान्ति मार्च, भाग 19 में नेताजी सुभाष, भाग 20 में हिमालय, भाग 21 में रेगिस्तानी क्षेत्र व भाग 23 में लहराते हिन्दु महासागर की चित्रावलि है। संविधान पारण के बाद अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद ने कहा "अब सदस्यों को संविधान की प्रतियों पर हस्ताक्षर करने हैं एक हस्तलिखित अंग्रेजी की प्रति है, इस पर कलाकारों ने चित्र अंकित किये हैं, दूसरी छपी हुई अंग्रेजी व तीसरी हस्तलिखित हिन्दी की।" (संविधानसभा कार्यवाही खण्ड 12 पृष्ठ 4261) भारतीय संस्कृति और इतिहास के छात्रों के लिए संविधान की चित्रमय प्रति प्रेरक हैं। संविधान राष्ट्र का धारक होता है।

आज का राशिफल

मेष राशि : आज आपके मन में नए-नए विचार आयेंगे। आज घर के वरिष्ठ सदस्यों के मार्गदर्शन से रिश्ते में चल रही गलतफहमियां दूर होंगी। यह समय अपने व्यवहार और पिछले समय में की गई गलतियों में सुधार लाने का है। आप मजबूती के साथ एक नई शुरुआत करेंगे। आप किसी काम के लिए नई योजना पर विचार भी कर सकते हैं। आय के स्रोतों में वृद्धि होने की उम्मीद है।

वृष राशिः आज आपका दिन ताजगी भरा रहेगा। आज आपके ऊपर कुछ जिम्मेदारियां रहेगी। आज आप किसी धार्मिक कार्य संबंधी योजना बनायेंगे। आपका कही फंसा हुआ पैसा आज आपको वापस मिल सकता है। इस राशि के आर्ट्स स्टूडेंट्स को अपनी पढ़ाई में शिक्षको का सहयोग मिलेगा। किसी मित्र के साथ धार्मिक स्थल पर जाने का प्लान बनायेंगे। आज आपका दाम्पत्य जीवन अच्छा रहने वाला है।

मिथुन राशिः आपका दिन खुशहाल रहेगा। आज कारोबार में छोटी-छोटी बारीकियां समझना जरूरी है। आज किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह लेना उचित रहेगा। आज आपकी खास इच्छा पूरी होने की उम्मीद है। ऑफिस में अधिकारियों से मिला सहयोग आपके उत्साह में इजाफ़ा करेगा। संतान संबंधी महत्वपूर्ण कार्य आज संपन्न हो सकता है, आपको अच्छा लगेगा।

कर्क राशिः आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आप आज टेक्नीकल वर्क सीख सकते है, जिसका आपको भविष्य में बेहतर लाभ होगा। प्राइवेट जॉब कर रहे लोगों का उनकी मनपसन्द जगह पर ट्रान्सफर होने की सम्भावना बन रही है। छात्रों के लिये आज का दिन अच्छा रहने वाला है, किसी प्रतियोगिता में बेहतरीन प्रदर्शन करेंगे।

सिंह राशिः आज आपके भाग्य के सितारे बुलंद होंगे। आज ऑफिस में कार्यों को पूरा करने में आपका ध्यान लगा रहेगा। बॉस आपसे प्रसन्न होंगे। भविष्य को लेकर बनाई योजनाएं कारगर साबित होंगी । आज आपको पुराने दोस्तों के साथ समय बिताने का मौका मिल सकता है। इस राशि के कपड़ा व्यापारियों को विशेष रूप से सफलता मिलेगी।

कन्या राशिः आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आज बाहरी लोगों का हस्तक्षेप अपने व्यक्तिगत तथा पारिवारिक जीवन में न पड़ने दे। आज घर पर मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन होगा, जिससे लोगों का आना जाना लगा रहेगा। स्टूडेंट्स को आज टीचर द्वारा विशेष मार्गदर्शन मिलेगा। आज आप कम्प्यूटर कोर्स सीखने का मन बनायेंगे, इस पर माता के साथ विचार विमर्श कर सकते है।

तुला राशिः आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज रोजमर्रा की गतिविधियों से राहत पाने के लिए कुछ समय अपने लिए भी जरूर निकालें। आप अपनी पारिवारिक व व्यावसायिक जिम्मेदारियों को बखूबी अंजाम देंगे। आज आपके मान-सम्मान में बढ़ोतरी होगी। विद्यार्थियों का अपनी पढ़ाई पर ध्यान लगा रहेगा। आज आपके रुके हुए कामों को पूरा करने का अच्छा समय है।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज पारिवारिक जीवन में खुशनुमा माहौल बना रहेगा। आर्थिक स्थिति को बेहतर करने का प्रयास सफल रहेगा। आज किसी प्रभावशाली व्यक्ति की मदद से आपका को प्रशासनिक कार्य पूरा हो जायेगा। आज नये बिजनेस की प्लानिंग करेंगे, जिसमे आपको ज्यादा लाभ मिलने वाला है। आप आज परिवार वालों के साथ खुशनुमा पल बिताएंगे।

धनु राशिः आज आपका दिन उत्तम रहेगा। पिछले कुछ समय से चल रही समस्याओं से आज कुछ राहत मिलेगी। व्यक्तित्व को निखारने के लिए किये गये प्रयास का अच्छा परिणाम सामने आएंगे। आज समाज में आपकी छवि निखरेगी। अगर आप जीवनसाथी के साथ रिश्तों में संतुलन बना कर चलेंगे, तो आपके रिश्ते मजबूत होंगे।

मकर राशिः आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज व्यवस्थित दिनचर्या बनी रहेगी । प्रॉपर्टी संबंधी मामला रुका हुआ है तो उसको हल करने का उचित दिन है। किसी खास व्यक्ति द्वारा आपको उचित सलाह भी मिलेगी। आपके सहज और उत्तम स्वभाव की वजह से लोग आपकी ओर आकर्षित होंगे।

कुंभ राशिः आज आप अपने कार्यों में बहुत हद तक सफल रहेंगे। आज किसी समारोह अथवा सम्मेलन में शामिल होने का निमंत्रण मिलेगा। इस समय कई खर्चे सामने आएंगे, परंतु साथ ही आय के स्रोत भी बढ़ने से आर्थिक समस्या नहीं रहेगी। आपकी शिक्षा अथवा करियर से संबंधित समस्यायें दूर होंगी।

मीन राशि : आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। घर के रखरखाव अथवा नवीनीकरण संबंधी योजना बना सकते है। आपकी संतान को सफलता मिलने से घर में खुशियां बढ़ेगी। बच्चों के बेहतर करियर के लिए आप किसी अच्छे एक्सपर्ट से सलाह ले सकते है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

तीसरे टी20 में अजेय बढ़त पर टीम इंडिया की नजर

» संजू सैमसन की परीक्षा और ईशान किशन की चुनौती

एजेंसी, गुवाहाटी

पहले दोनों मुकाबले आसानी से जीतकर आत्मविश्वास से लबरेज भारतीय टीम रविवार को यहां होने वाले तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में जीत दर्ज कर पांच मैचों की सीरीज में अजेय बढ़त हासिल करने के इरादे से उतरेगी। इस मैच में जहां भारत की नजर सीरीज पर कब्जा जमाने पर होगी, वहीं सबसे ज्यादा चर्चा संजू सैमसन के प्रदर्शन को लेकर है, क्योंकि पिछले मैच में ईशान किशन की विस्फोटक वापसी ने टीम संयोजन को लेकर बहस तेज कर दी है। किशन की शानदार पारी के बाद यह सवाल फिर से खड़ा हो गया है कि अभिषेक शर्मा के साथ पारी की शुरुआत करने के लिए टीम प्रबंधन किस पर भरोसा जताएगा। टी20 वर्ल्ड कप की शुरुआत में अब केवल दो सप्ताह का समय बचा है और इससे पहले भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन और मैच खेलने हैं। ऐसे में भारतीय टीम का ढांचा काफी हद तक तय नजर आता है। बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभागों में टीम ने अब तक संतुलित प्रदर्शन किया है, लेकिन कुछ स्थानों को लेकर असमंजस बना हुआ है, जिनमें संजू सैमसन का स्थान सबसे अहम माना जा रहा है। पिछले मैच में ईशान किशन ने मात्र 32 गेंदों पर 76 रनों की तेजतर्रार पारी खेलकर अपनी दावेदारी मजबूत की और सैमसन पर दबाव और बढ़ा दिया। शुभमन गिल को टी20 प्रारूप में अपेक्षित प्रभाव न छोड़ पाने के कारण बाहर कर अभिषेक शर्मा के साथ सैमसन को सलामी बल्लेबाज के रूप में मौका दिया गया था, लेकिन केरल के इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने अब तक मिले मौकों का पूरा फायदा नहीं उठाया है। पसंदीदा बल्लेबाजी क्रम में वापसी के बावजूद उनके प्रदर्शन में निरंतरता की कमी साफ दिखी है। तेज गेंदबाजों के खिलाफ उनकी कमजोरी एक बार फिर उजागर हुई है। इंग्लैंड के खिलाफ हालिया सीरीज में वह तेज गेंदबाजों के सामने बार-बार आउट हुए थे और न्यूजीलैंड के खिलाफ भी पहले दो मैचों में केवल 10 और छह रन ही बना सके। भारत के पूर्व बल्लेबाज डब्ल्यूवी रमन ने भी उनके आउट होने के तरीके पर टिप्पणी करते हुए कहा कि जब तक सैमसन गेंद की गति के अनुसार अपने शॉट चयन और बल्ले की रफ्तार में बदलाव नहीं करेंगे, तब तक उनसे निरंतर अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद करना मुश्किल होगा। भारत के लिए राहत की बात यह है कि कप्तान सूर्यकुमार यादव अपनी पुरानी लय में लौटते दिखे हैं। उन्होंने पिछले मैच में 37 गेंदों पर 82 रन की पारी खेलकर लंबे समय बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय में अर्धशतक जड़ा। अभिषेक शर्मा हालांकि पिछली मैच की पहली गेंद पर आउट हो गए थे, लेकिन वह इस मुकाबले में बड़ी पारी खेलने के इरादे से उतरेंगे। पिछले मैच में भारत की शुरुआत बेहद खराब रही थी और टीम दो विकेट पर छह रन तक सिमट गई थी, लेकिन इसके बाद किशन की आक्रामक बल्लेबाजी ने मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया और भारत ने 28 गेंद शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया। गेंदबाजी में अर्शदीप सिंह ने शुरुआती ओवरों में रन जरूर लुटाए, लेकिन कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती ने बीच के ओवरों में कसी हुई गेंदबाजी कर टीम को मजबूती दी। टीम प्रबंधन की नजर अक्षर पटेल की उंगली की चोट पर भी रहेगी और उम्मीद है कि उन्हें विश्व कप से पहले पर्याप्त मैच अभ्यास मिल सके। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को पिछले मैच में आराम दिया गया था और इस मुकाबले में उनकी वापसी की संभावना है, क्योंकि कम अंतराल में मैच होने के चलते तेज गेंदबाजों को रोटेट किया जा रहा है। न्यूजीलैंड की टीम के लिए यह मुकाबला सम्मान बचाने जैसा होगा। मिचेल सैंटनर की कप्तानी वाली टीम इस करारी हार के बाद रणनीति में बदलाव कर सकती है और डैरिल मिचेल को ऊपर के क्रम में भेजने पर विचार कर सकती है। हालांकि उसकी आमतौर पर मजबूत मानी जाने वाली फील्डिंग इस सीरीज में निराशाजनक रही है और कई आसान कैच छूटे हैं। यदि न्यूजीलैंड को वापसी करनी है तो उसे इस विभाग में तुरंत सुधार करना होगा।

टीम इस प्रकार हैं:

भारत: सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), इशान किशन, श्रेयस अय्यर, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, रिंकू सिंह, अर्शदीप सिंह, रवि बिश्नोई, हर्षित राणा।

न्यूजीलैंड: मिचेल सैंटनर (कप्तान), डेवोन कॉनवे, बेवन जैकब्स, डैरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, टिम रॉबिन्सन, जिमी नीशम, ईश सोढ़ी, जैक फॉक्स, मार्क चैपमैन, माइकल ब्रैसवेल, रचिन रविंद्र, काइल जैमीसन, मैट हेनरी, जैकब डफी।5

सूर्यकुमार यादव ने तोड़ डाला युवराज सिंह का रिकॉर्ड

» टी20 में एक ओवर में सबसे ज्यादा बार 20 प्लस रन

एजेंसी, नई दिल्ली

लंबे समय से खराब फॉर्म से गुजर रहे भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने रायपुर में खेले गए दूसरे टी20 मैच में जोरदार वापसी करते हुए न सिर्फ टीम इंडिया को जीत दिलाई, बल्कि एक बड़ा रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। न्यूजीलैंड के खिलाफ 209 रन के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए सूर्यकुमार ने 37 गेंदों में नाबाद 82 रन की विस्फोटक पारी खेली और भारत को सात विकेट से शानदार जीत दिलाई। उनकी इस पारी में 9 चौके और 4 छक्के शामिल रहे। अक्टूबर 2024 के बाद यह सूर्यकुमार की 24 पारियों में पहली अर्धशतकीय पारी रही, जिसने उनके आत्मविश्वास और लय में लौटने के संकेत दे दिए हैं। टी20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले कप्तान का इस तरह फॉर्म में आना भारतीय टीम के लिए बेहद सकारात्मक माना जा रहा है। रनचेज के दौरान सूर्यकुमार पूरी तरह आक्रामक नजर आए और न्यूजीलैंड के गेंदबाजों पर दबाव बनाए रखा। खासतौर पर जैक फाउल्केस के नौवें ओवर में उन्होंने अपनी बल्लेबाजी का असली रंग दिखाया। इस ओवर में सूर्यकुमार ने 24 रन बटोरे, जिसमें शुरुआती चार गेंदों पर चौके, पांचवीं पर छक्का, आखिरी गेंद पर दो रन और एक वाइड शामिल रही। इसी ओवर ने मुकाबले को पूरी तरह भारत के पक्ष में झुका दिया। इस पारी के साथ सूर्यकुमार यादव ने पूर्व दिग्गज ऑलराउंडर युवराज सिंह का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। सूर्यकुमार अब टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में भारत की ओर से एक ओवर में 20 या उससे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ियों की सूची में दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने अपने करियर में अब तक पांच बार यह उपलब्धि हासिल की है, जबकि युवराज सिंह ने चार बार ऐसा किया था। इस सूची में शीर्ष स्थान पर रोहित शर्मा हैं, जिन्होंने छह बार एक ओवर में 20 से ज्यादा रन बनाए हैं। रोहित शर्मा अब टेस्ट और टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं।

बीबीएल 15: मेलबर्न रिनेगेड्स ने विस्फोटक सलामी बल्लेबाज जॉश ब्राउन के साथ किया दो साल का नया करार

एजेंसी, मेलबर्न

मेलबर्न रिनेगेड्स के विस्फोटक ओपनर बल्लेबाज जॉश ब्राउन ने क्लब के साथ अगले दो वर्षों के लिए अपना भविष्य सुरक्षित कर लिया है। ब्राउन अब कम से कम बिग बैश लीग 17 (बीबीएल 17) के अंत तक रिनेगेड्स के लिए खेलते नजर आएंगे। बीबीएल 14 में मेलबर्न रिनेगेड्स से जुड़ने वाले जॉश ब्राउन ने बीबीएल15 के दौरान शानदार प्रदर्शन किया, खासकर दोनों मेलबर्न डर्बी मुकाबलों में वह टीम के स्टार साबित हुए। इससे पहले उन्होंने बीबीएल 12 में ब्रिस्बेन हीट के साथ अपने बिग बैश करियर की दमदार शुरुआत की थी और 2024 के अंत में मेलबर्न का रुख किया था। करार के बाद जॉश ब्राउन ने क्लब के हवाले से कहा,"रिनेगेड्स के साथ समय शानदार रहा है। यहां मुझे घर जैसा महसूस होता है और मैं इस क्लब के साथ आगे क्या हासिल कर सकते हैं, इसे लेकर उत्साहित हूं। मुझे हमारी खेलने की शैली पसंद है और अगले कुछ साल यहीं रहने को लेकर काफी उत्साह है।" बीबीएल 15 में ब्राउन ने दो अर्धशतक लगाए और लगातार तीसरे सीजन 150 से अधिक के स्ट्राइक रेट को बरकरार रखा। उन्होंने कुल 311 रन बनाए और रिनेगेड्स के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। इस दौरान उनका सर्वोच्च स्कोर मेलबर्न स्टार्स के खिलाफ पहले मेलबर्न डर्बी में नाबाद 84 रन रहा।

मेलबर्न रिनेगेड्स के जनरल मैनेजर रोसेनगार्टन ने कहा,- "जॉश हमें पारी की शुरुआत में जबरदस्त ताकत देते हैं। जब वह लय में होते हैं, तो बहुत कम खिलाड़ी हैं जो उनकी तरह तेजी से पारी को आगे बढ़ा सकते हैं।" जॉश ब्राउन का यह नया करार ऐसे समय आया है, जब बीबीएल 15 अपने अंतिम चरण में है और कई क्लबों ने खिलाड़ियों के अनुबंध बढ़ाने की घोषणाएं की हैं। मेलबर्न स्टार्स ने सैम हार्पर (दो साल), हिल्टन कार्टराइट (दो साल) और पीटर सिडल (एक साल) के साथ नए समझौते किए हैं, जबकि सिडनी थंडर के कप्तान डेविड वॉर्नर ने बीबीएल 16 के लिए क्लब के साथ दोबारा करार किया है। बीबीएल नियमों के अनुसार, सभी क्लब 27 जनवरी (मंगलवार) को शाम 5 बजे तक लीग के कॉन्ट्रैक्टिंग एंबार्गो से पहले 10 खिलाड़ियों के रोस्टर भर सकते हैं। इसके बाद 28 जनवरी को सुबह 9 बजे से प्लेयर मूवमेंट विंडो खुलेगी, जिसमें खिलाड़ियों की ट्रेडिंग और फ्री एजेंट्स का क्लब बदलना संभव होगा।

तीसरे राउंड के मुकाबले से पहले ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 से हटीं नाओमी ओसाका

एजेंसी, नई दिल्ली

जापान की स्टार टेनिस खिलाड़ी और दो बार की ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन नाओमी ओसाका ने ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 से चोट के कारण नाम वापस ले लिया है। ओसाका ने यह फैसला अपने तीसरे दौर के मुकाबले से कुछ घंटे पहले लिया, जिसकी जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए दी। ओसाका ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा, "मुझे अपने शरीर से जुड़ी एक समस्या पर ध्यान देने के लिए यह कठिन फैसला लेना पड़ा है, जो मेरे पिछले मैच के बाद सामने आई। मैं आगे खेलने को लेकर बेहद उत्साहित थी और यह अभियान मेरे लिए बहुत मायने रखता था। यहां रुकना दिल तोड़ने वाला है, लेकिन कोर्ट पर वापसी के लिए मुझे किसी भी तरह का जोखिम नहीं लेना चाहिए।" उन्होंने लिखा, "सभी के प्यार और समर्थन के लिए धन्यवाद... मैं बहुत आभारी हूं कि आप सभी ने मुझे इतना अपनाया।" ओसाका ने दूसरे दौर में रोमानिया की सोराना सिर्स्टिया को हराया था। यह मुकाबला ठंडी हाथ मिलाने (फ्रॉस्टी हैंडशेक) की वजह से भी चर्चा में रहा था। तीसरे दौर में ओसाका का सामना ऑस्ट्रेलिया की मैडिसन इंग्लिस से होना था। हालांकि, ओसाका के हटने के बाद इंग्लिस सीधे प्री-क्वार्टर फाइनल (राउंड ऑफ 16) में पहुंच गईं। इसके साथ ही वह 2022 में एश्ले बार्टी के बाद ऑस्ट्रेलियन ओपन के अंतिम-16 में पहुंचने वाली पहली ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी बन गई हैं। अब मैडिसन इंग्लिस का सामना छह बार की ग्रैंड स्लैम विजेता इगा स्वियातेक से क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए होगा।

प्रो रेसलिंग लीग: वापसी को लेकर आश्वस्त हरियाणा थंडर्स

एजेंसी, नोएडा

नोएडा इंडोर स्टेडियम में चल रही प्रो रेसलिंग लीग (पीडब्लूएल) 2026 में महाराष्ट्र केसरी के खिलाफ बेहद करीबी मुकाबले में 4–5 से मिली हार के बावजूद हरियाणा थंडर्स के मालिकों ने भरोसा जताया है कि टीम टूर्नामेंट के शेष मुकाबलों में दमदार वापसी करेगी। फ्रेंचाइजी प्रबंधन ने पहलवानों के जुझारू प्रदर्शन की जमकर करते हुए कहा कि टीम ने आखिरी बाउट और अंतिम क्षण तक संघर्ष किया, लेकिन परिणाम उनके पक्ष में नहीं रहे पर कोई बात नहीं, ऐसा होता है। मैच के बाद हरियाणा थंडर्स की मालकिन प्रेरणा बांका ने टीम के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा, "हमारे खिलाड़ियों ने अंतिम मिनट तक संघर्ष किया। हमारे पास बेहद मजबूत खिलाड़ी हैं, बस यह हमारा खराब दिन था। हमने खिलाड़ियों से कहा है कि उन्होंने अपना सर्वश्रेष्ठ दिया, कभी-कभी करीबी हार भी टीम के लिए जरूरी होती है, ताकि वह जमीन पर ही रहें और जीत की भूख और बढ़ सकें।" चर्चा को आगे बढ़ाते टीम की मालकिन ईशा गुप्ता ने कहा, "नतीजा टीम की मेहनत और प्रतिबद्धता को नहीं दर्शाता। हमारे खिलाड़ियों ने अंत तक कड़ी लड़ाई लड़ी, लेकिन यह उन दिनों में से एक था जब चीजें हमारे पक्ष में नहीं रहीं। खिलाड़ी स्वाभाविक रूप से थोड़े निराश थे, क्योंकि हम आमतौर पर अपने मुकाबले जीतने के आदी हैं, खासकर हमारी महिला पहलवान। हालांकि, यह मुकाबला टीम को और मजबूत बनाएगा और हमने खिलाड़ियों से इसे एक अपवाद की तरह लेने को कहा है।" टीम की एक और मालकिन श्रेया परसरामपुरिया ने भी हरियाणा थंडर्स के जुझारूपन और कभी हार न मानने वाले जज्बे पर कहा, "टीम ने आखिरी मिनट तक संघर्ष किया और कभी हार नहीं मानी। जीत और हार खेल का हिस्सा है। हमें पूरा भरोसा है कि हरियाणा थंडर्स मजबूती के साथ वापसी करेगा।" तीन मैचों में दो जीत के साथ हरियाणा थंडर्स फिलहाल अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है और फ्रेंचाइज़ी को पूरा विश्वास है कि प्रो रेसलिंग लीग 2026 के आगे बढ़ने के साथ टीम जल्द ही अपनी लय दोबारा हासिल कर लेगी।

व्यापार

इंडिगो ने डीजीसीए की सख्ती के बाद घरेलू हवाई अड्डों पर खाली किए 717 स्लॉट

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने घरेलू एयरपोर्ट पर 717 स्लॉट खाली कर दिए हैं। एयरलाइन ने नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) के इंडिगो की शीतकालीन उड़ानों में 10 फीसदी कटौती के जारी निर्देश के बाद यह कदम उठाया है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि इंडिगो ने कुल 717 स्लॉट छोड़े हैं। कंपनी ने यह कदम विमानन नियामक की सख्ती के बाद उठाया है। डीजीसीए ने दिसंबर में बड़े पैमाने पर उड़ानें रद्द और विलंब के बाद एयरलाइन की उड़ानों में 10 फीसदी कटौती की गई थी। इंडिगो की खाली किए गए स्लॉट जनवरी से मार्च के बीच हैं, जिनमें सबसे अधिक प्रमुख महानगरों के हैं। इंडिगो एयरलाइन ने देश के कुल 16 एयरपोर्ट्स पर अपने स्लॉट्स छोड़े हैं। इसमें सबसे ज्यादा 236 स्लॉट्स मुंबई एयरपोर्ट पर कम हुए हैं। इसके बाद दिल्ली का नंबर आता है, जहां 150 स्लॉट्स सरेंडर किए गए हैं। बेंगलुरु में 84, हैदराबाद में 68 और पुणे में 48 स्लॉट्स छोड़े गए हैं। एयरलाइन ने इनमें से 364 स्लॉट देश के छह प्रमुख महानगरों, दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, बंगलूरू और हैदराबाद के लिए छोड़े हैं। इनमें सबसे अधिक स्लॉट हैदराबाद और बंगलूरू से खाली किए गए हैं। छोड़े गए स्लॉट जनवरी से मार्च के बीच फैले हुए हैं, जिनमें मार्च में सबसे अधिक 361 स्लॉट शामिल हैं। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने अन्य एयरलाइनों से इन खाली स्लॉट पर उड़ान संचालन के लिए आवेदन मांगे हैं। मंत्रालय के अनुसार इंडिगो ने यह स्लॉट उस समय छोड़े जब दिसंबर की शुरुआत में उसकी घरेलू उड़ानों में 10 फीसदी की कटौती की गई थी। मंत्रालय के मुताबिक स्लॉट के पुनर्वितरण को लेकर गठित समिति की पहली बैठक 13 जनवरी को हुई थी। इसके बाद एयरलाइनों से उनकी प्राथमिकताओं और अनुरोधों को भेजने को कहा गया है। शर्तों के तहत, एयरलाइनों को अपने मौजूदा रूट बंद किए बिना ही खाली स्लॉट का उपयोग करना होगा। इंडिगो आम तौर पर रोजाना 2,200 से अधिक उड़ानें

संचालित करती है लेकिन डीजीसीए के निर्देश के बाद उसकी घरेलू उड़ानों की संख्या अब घटकर लगभग 1,930 प्रतिदिन रह गई है। इससे पहले शीतकालीन कार्यक्रम में इंडिगो को प्रति सप्ताह 15,014 उड़ानों की अनुमति थी, जो औसतन 2,144 उड़ानें प्रतिदिन होती थीं। दिसंबर की शुरुआत में इंडिगो को भारी परिचालन संकट का सामना करना पड़ा था। तीन से पांच दिसंबर के बीच एयरलाइन ने 2,507 उड़ानें रद्द कीं, जबकि 1,852 उड़ानें विलंबित हुईं, जिससे देशभर में तीन लाख से अधिक यात्री प्रभावित हुए। इसके बाद डीजीसीए ने उड़ानों में कटौती का फैसला लिया।

इंडिगो पर उड़ान बाधाओं को लेकर लगा जुर्माना- डीजीसीए ने 17 जनवरी को दिसंबर में हुई उड़ान बाधाओं को लेकर इंडिगो पर कुल 22.20 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया। साथ ही, एयरलाइन को 50 करोड़ रुपये की बैंक गारंटी जमा करने का निर्देश दिया था। डीजीसीए के मुताबिक उड़ानों में भारी व्यवधान का मुख्य कारण पर्याप्त फ्लाइट क्रू-मेंबर की कमी, नियामकीय तैयारी में कमजोरी, सॉफ्टवेयर सिस्टम की खामियां, प्रबंधन संरचना की कमजोरियां और संचालन नियंत्रण में कमी रही। उड्डयन उद्योग के विशेषज्ञों का कहना है कि इंडिगो एयरलाइन के द्वारा छोड़े गए स्लॉट को अन्य एयरलाइनों द्वारा अस्थायी रूप से ही इस्तेमाल किया जा सकता है, क्योंकि मार्च के बाद ये स्लॉट वापस इंडिगो को मिल सकते हैं। कम समय के लिए नए रूट शुरू करना एयरलाइनों के लिए व्यावहारिक नहीं है। वहीं, कई स्लॉट देर रात या सुबह तड़के के हैं, इसलिए अन्य एयरलाइनों की रुचि सीमित रह सकती है।

बीते हफ्ते भारतीय शेयर बाजार में बिकवाली का दबदबा रहा

विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली और भू-राजनीतिक तनाव प्रमुख कारण रहे

मुंबई। बीते हफ्ते भारतीय शेयर बाजार में निवेशकों की धारणा पर नकारात्मक प्रभाव रहा। विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार बिकवाली और वैश्विक भू-राजनीतिक तनावों ने बाजार की गिरावट को बढ़ावा दिया। बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी दोनों में हफ्ते के दौरान उतार-चढ़ाव देखने को मिला, लेकिन कुल मिलाकर सप्ताह लाल निशान पर समाप्त हुआ। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को निवेशकों की सतर्कता और बिकवाली के दबाव के साथ हुई। सेंसेक्स 83,246.18 अंक पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 25,585.50 अंक पर आ गया। मंगलवार को विदेशी निवेशकों की निकासी के चलते सेंसेक्स ने 1,065.71 अंकों की भारी गिरावट दर्ज की और सप्ताह का सबसे कमजोर दिन बन गया। निफ्टी भी 353 अंक फिसलकर 25,232.50 पर बंद हुआ। बुधवार को बाजार में इंट्रा-डे दौरान सेंसेक्स 81,124.45 तक लुढ़क गया, लेकिन अंततः 81,909.63 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी में भी गिरावट जारी रही और यह 25,157.50 अंक पर बंद हुआ। गुरुवार को थोड़ी राहत की लहर देखने को मिली, सेंसेक्स 82,307.37 अंक तक उछला और निफ्टी भी 25,289.90 अंक पर बंद हुआ। शुक्रवार को शुरुआती सत्र में सेंसेक्स और निफ्टी ने मामूली बढ़त दर्ज की, लेकिन दिन के अंत में विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली से सेंसेक्स 81,537.70 पर और निफ्टी 25,048.65 पर बंद हुआ। इस सप्ताह बीएसई लिस्टेड कंपनियों के मार्केट कैप में 15 लाख करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ, जो पिछले चार महीनों की सबसे बड़ी साप्ताहिक गिरावट है। बाजार के जानकारों ने कहा कि निवेशकों की भावना इस सप्ताह नकारात्मक रही और बाजार में तेजी लौटने के लिए विदेशी निवेशकों के भरोसे और वैश्विक स्थिरता की आवश्यकता है।

बीते सप्ताह सोना–चांदी ने तोड़ा रिकॉर्ड, निवेशकों में बढ़ी उत्सुकता

सोना 1,500 रुपए उछलकर 1.58 लाख के पार, चांदी में 9,500 रुपए की तेजी

मुंबई। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सोने और चांदी की कीमतों ने बीते सप्ताह मजबूत रुझान बनाए रखा। शुक्रवार को 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 1,500 रुपए बढ़कर 1,58,700 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई। यह पिछले सत्र के 1,57,200 रुपए से बढ़ोतरी है। सप्ताह के दौरान बुधवार को सोने ने 1,59,700 रुपए प्रति 10 ग्राम का सर्वकालिक उच्च स्तर छुआ। अखिल भारतीय सर्राफा संघ और कारोबारियों के अनुसार यह तेजी वैश्विक बाजार में मजबूत रुझानों, स्टॉकिस्टों की नई खरीदारी और निवेश मांग में इजाफे के कारण आई। सप्ताह भर में सोने की कीमतों का क्रम इस प्रकार रहा- सोमवार 1,57,000 रुपए, मंगलवार 1,57,500

रुपए, बुधवार 1,59,700 रुपए, गुरुवार 1,57,200 रुपए और शुक्रवार 1,58,700 रुपए। हाजिर अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 4,967.41 डॉलर प्रति औंस के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। विशेषज्ञों का कहना है कि भू-राजनीतिक तनाव और अमेरिकी डॉलर में कमजोरी ने भी सोने की कीमतों को मजबूती दी। चांदी ने भी सप्ताह भर में जोरदार उछाल दिखाया। शुक्रवार को इसकी कीमत 3,29,500 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई, जो पिछले बंद भाव 3,20,000 रुपए से लगभग तीन प्रतिशत अधिक है। सप्ताह के दौरान चांदी की कीमतें सोमवार 3,18,000 रुपए, मंगलवार 3,21,000 रुपए, बुधवार 3,34,300 रुपए (सर्वकालिक उच्च), गुरुवार 3,20,000 रुपए और शुक्रवार 3,29,500 रुपए रही। अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी ने पहली बार 99 डॉलर प्रति औंस की स्तर पार किया और कारोबार के दौरान 99.78 डॉलर के उच्चतम स्तर को छुआ। विश्लेषकों के अनुसार, सोना और चांदी की यह तेजी निवेशकों की मजबूत मांग, वैश्विक अनिश्चितता और डॉलर की कमजोरी से प्रेरित है। मार्च 2020 के बाद से सोने ने अपना सबसे मजबूत साप्ताहिक प्रदर्शन दर्ज किया है।

गैलेक्सी एस 26 अल्ट्रा फरवरी 2026 में हो सकता है लॉन्च

नई दिल्ली। सैमसंग प्रीमियम फ्लैगशिप स्मार्टफोन गैलेक्सी एस26 अल्ट्रा को फरवरी 2026 में गैलेक्सी अनपेक्ड इवेंट के दौरान आधिकारिक तौर पर पेश कर सकता है। मशहूर टिप्स्टर आईस यूनिवर्स के अनुसार गैलेक्सी एस26 अल्ट्रा कम से कम चार रंगों में लॉन्च हो सकता है। लीक तस्वीरों में फोन की सिम ट्रे दिखाई गई है, जिससे ब्लैक, व्हाइट, ब्लू और पर्पल कलर वेरिएंट के संकेत मिलते हैं। वहीं, एक अन्य टिप्स्टर का दावा है कि इस बार पर्पल या वायलेट कलर को सैमसंग "हीरो कलर" के तौर पर प्रमोट कर सकता है, जैसा वह हर साल अपने किसी एक खास रंग के साथ करता है। हालांकि, यही सभी कलर ऑप्शन अंतिम नहीं माने जा रहे हैं। सैमसंग अक्सर अपने फ्लैगशिप स्मार्टफोन्स के कुछ खास रंगों को ऑनलाइन स्टोर या चुनिंदा मार्केट्स के लिए एक्सक्लूसिव रखता है। ऐसे में लॉन्च के समय या बाद में कुछ नए और एक्सक्लूसिव कलर वेरिएंट भी सामने आ सकते हैं। इससे पहले ऑरेंज कलर को लेकर भी अटकलें थीं, लेकिन मौजूदा लीक में इसका कोई ठोस संकेत नहीं मिला है। डिजाइन की बात करें तो गैलेक्सी एस26 अल्ट्रा का लुक काफी हद तक गैलेक्सी एस26 अल्ट्रा जैसा ही रह सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इसमें फ्लैट बैक पैनल और हल्के

कर्व्ड एज देखने को मिलेंगे। हालांकि कैमरा डिजाइन में बदलाव संभव है। इस बार कैमरा लेंस अलग-अलग उभरे हुए न होकर एक रेज्ड कैमरा आइलैंड में वर्टिकल लेआउट के साथ दिए जा सकते हैं, जिससे फोन का लुक ज्यादा क्लीन और प्रीमियम लगेगा। गैलेक्सी एस26 सीरीज़ में गैलेक्सी एस26, गैलेक्सी एस26प्लस और गैलेक्सी एस26 अल्ट्रा शामिल होने की उम्मीद है। रिपोर्ट्स के अनुसार, इन फोन्स का मास प्रोडक्शन 2026 की शुरुआत में शुरू हो सकता है।

स्मार्टफोन वनप्लस 16 को लेकर चर्चाएं तेज

नई दिल्ली। वनप्लस कंपनी के अगले फ्लैगशिप स्मार्टफोन वनप्लस 16 को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। वनप्लस 16 को लेकर लीक रिपोर्ट्स में खास तौर पर कैमरा, डिस्प्ले और बैटरी से जुड़ी अहम जानकारियां सामने आई हैं। माना जा रहा है कि वनप्लस 16 कई मामलों में अपने पिछले मॉडल से काफी आगे होगा। लीक्स के मुताबिक, वनप्लस 16 में दमदार कैमरा सेटअप देखने को मिल सकता है। मशहूर टिप्सटर डिजीटल चैट स्टेशन ने दावा किया है कि फोन में नया 200 मेगापिक्सल का पेरिस्कोप टेलीफोटो कैमरा दिया जा सकता है, जो बेहतर जूम और लो-लाइट फोटोग्राफी में मदद करेगा। इसके अलावा स्मार्टफोन में 200 मेगापिक्सल का प्राइमरी कैमरा, दो 50 मेगापिक्सल सेंसर और एक मल्टीस्पेक्ट्रल सेंसर मिलने की भी संभावना जताई जा रही है। यह अतिरिक्त सेंसर फोटो की कलर एक्युरेसी और इमेज प्रोसेसिंग को और बेहतर बना सकता है। डिस्प्ले

के मोर्चे पर भी वनप्लस 16 बड़ा बदलाव ला सकता है। रिपोर्ट्स के अनुसार, फोन में फ्लैट डिस्प्ले दी जा सकती है, जो 200एचझेड से ज्यादा रिफ्रेश रेट को सपोर्ट करेगी। अगर ऐसा होता है, तो यह स्मार्टफोन बाजार में सबसे स्मूद डिस्प्ले वाले फोन्स में गिना जाएगा। बैटरी को लेकर भी लीक काफी चौंकाने वाले हैं। कहा जा रहा है कि वनप्लस नई 'ग्लेशियर बेट्री' टेक्नोलॉजी पर काम कर रहा है, जिसकी क्षमता करीब 9000 एमएएच हो सकती है, जिससे यूजर्स को लंबे समय तक बैकअप मिलेगा। परफॉर्मेंस के लिए फोन में स्नैपड्रैगन 8 इलाइट जेन 6 चिपसेट मिलने की संभावना है, जिसे उस समय का सबसे ताकतवर प्रोसेसर माना जा रहा है।

तस्करी में प्रिया बनकर छाईं जोया अफरोज, कहा- इस किरदार के लिए किया हजारों किलोमीटर का सफर

बॉलीवुड और ओटीटी की दुनिया में कुछ कलाकार ऐसे होते हैं, जिनका सफर सिर्फ कामयाबी की कहानी नहीं होता, बल्कि धैर्य, सीख और लगातार आगे बढ़ने की मिसाल भी होता है। अभिनेत्री जोया अफरोज उन्हीं में से एक हैं। बतौर बाल कलाकार फिल्मों के सेट पर कदम रखने वाली जोया आज नेटफ्लिक्स की चर्चित सीरीज तस्करी में प्रिया के मजबूत और जटिल किरदार के लिए सराहना बटोर रही हैं। तस्करी को न सिर्फ देश में, बल्कि ग्लोबल लेवल पर भी पहचान मिल रही है और यह जोया के करियर का एक अहम पड़ाव बन चुका है। जोया अफरोज ने कहा, मैंने अपने करियर की शुरुआत बहुत कम उम्र में की थी। सूरज बड़जात्या की फिल्म हम साथ-साथ हैं के सेट पर काम शुरू किया और इसके बाद रमेश सिप्पी, रोहन सिप्पी जैसे दिग्गज निर्देशकों के साथ भी काम किया। जोया ने बताया कि फिल्म कुछ ना कहो समेत कई प्रोजेक्ट्स में नजर आने के बाद उन्होंने बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट और मॉडल खूब अनुभव हासिल किया। इसके बाद मिस इंडिया बनने और मिस इंटरनेशनल में भारत का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला, लेकिन अभिनय हमेशा पहली पसंद रहा। जोया ने कहा, इतनी छोटी उम्र में काम शुरू करने का फायदा यह रहा कि मुझे इंडस्ट्री को बहुत करीब से समझने का मौका मिला। बड़े निर्देशकों और कलाकारों के साथ काम करके मैंने अभिनय की बारीकियां सीखीं। सफर भले ही लंबा रहा हो, लेकिन बेहद संतोषजनक रहा है। आज तस्करी जैसी ओटीटी सीरीज

का हिस्सा बनना और उसका नंबर वन होना मेरे लिए किसी सपने के सच होने जैसा है। तस्करी में जोया ने प्रिया का किरदार निभाया है, जो एक एयर होस्टेस है और कस्टम अधिकारियों और तस्करों की दुनिया के बीच फंसी हुई है। यह किरदार चुनौतीपूर्ण है। जोया ने कहा, यह रोल मुझे इसलिए खास लगा, क्योंकि निर्देशक नीरज पांडे महिला किरदारों को बेहद मजबूती और गहराई के साथ लिखते हैं। प्रिया कोई साधारण महिला पात्र नहीं है, बल्कि कहानी को आगे बढ़ाने वाली अहम कड़ी है। इस प्रोजेक्ट के साथ जुड़ने का अनुभव साझा करते हुए जोया ने कहा, जब मुझे तस्करी का ऑफर मिला, तब मैं असम में अपने ननिहाल में थी। अचानक कॉल आया। मैंने बिना किसी गारंटी के तुरंत बैग पैक किया और हजारों किलोमीटर का सफर तय कर ऑडिशन के लिए पहुंचीं। उसी दिन मेरा लुक टेस्ट हुआ और मुझे फाइनल कर लिया गया। अगले ही दिन वर्कशॉप और फिर शूटिंग शुरू हो गई। नीरज पांडे जैसे नेशनल अवॉर्ड विजेता निर्देशक का ऐसा भरोसा मेरे लिए बेहद प्रेरणादायक अनुभव रहा। उनके लिए सीरीज का सबसे चुनौतीपूर्ण सीन इमरान हाशमी के साथ इंटेरोगेशन का था, जो उनका पहला शूटिंग सीन भी था। उन्होंने कहा, पहली ही सुबह, पहला शॉट और इतना इमोशनल सीन था कि मैं काफी नर्वस हो गई थी, लेकिन आज वही सीन दर्शकों को सबसे ज्यादा पसंद आ रहा है। इमरान हाशमी के साथ काम करने के अनुभव पर जोया ने कहा, वह बेहद सहज, समझदार और जमीन से जुड़े अभिनेता हैं। सेट पर उनकी मौजूदगी सीन को और बेहतर बना देती है। नीरज पांडे और इमरान हाशमी की जोड़ी बेहद रियल है। दोनों ही कहानी और किरदारों में सच्चाई लाते हैं। अपने करियर को लेकर जोया ने कहा, मैं खुद को कभी अलग-अलग रास्तों में नहीं बांधती। मेरे लिए अभिनय, मिस इंडिया और फिर अभिनय में वापसी, सब एक ही सफर का हिस्सा है। तस्करी मेरे करियर की बड़ी उपलब्धि है और आगे भी मैं ऐसे ही दमदार किरदार निभाना चाहती हूं।

धुरंधर 2 के टीजर को सेंसर बोर्ड से मिली रेटिंग, टाइटल और रनटाइम का लेकर हुआ खुलासा

धुरंधर 2 की घोषणा के बाद से ही रणवीर सिंह के फैंस इसकी रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। आदित्य धर की फिल्म धुरंधर 2 का टीजर सनी देओल की फिल्म बॉर्डर 2 की प्रिंट्स के साथ अटैच किया गया है। सिनेमाघरों में रिलीज से पहले ही सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन ने टीजर को रेटिंग दी है। रिपोर्ट्स के अनुसार, टीजर का पूरा नाम धुरंधर 2 - द रिवेंज है। यह टीजर 1 मिनट 48 सेकंड लंबा है और इसे सिनेमाघरों में सनी देओल की फिल्म बॉर्डर 2 के साथ दिखाया जाएगा। ए रेटिंग मिलने की वजह से इसे सिर्फ 18+ उम्र के लोग ही देख सकते हैं। धुरंधर 2 का टीजर ऑनलाइन नहीं, बल्कि थिएटर में सनी देओल की फिल्म बॉर्डर 2 की रिलीज के दौरान दिखाया जाएगा। ऐसा इसलिए किया जा रहा है ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग धुरंधर 2 के टीजर को देख सकें। इससे धुरंधर 2 का प्रचार अच्छे से शुरू हो जाएगा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, डायरेक्टर आदित्य धर ने पहली फिल्म के एंड-क्रेडिट सीन को एडिट करके इस टीजर के रूप

में इस्तेमाल किया है। फिल्म धुरंधर 2 में रणवीर सिंह के अलावा अर्जुन रामपाल, संजय दत्त, आर. माधवन, सारा अर्जुन और राकेश बेदी जैसे कलाकार अपनी भूमिकाओं को दोहराएंगे। रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर 2 19 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। धुरंधर 2 की रिलीज के साथ कन्नड़ एक्टर यश की फिल्म टॉक्सिकः ए फेयरीटेल फॉर ग्रोनअप्स टकराएगी।

अजय देवगन ने दिखाई एआई निर्मित बाल तन्हाजी की पहली झलक, नई तरह से देखने को मिलेगी कहानी

अजय देवगन साल 2020 में आई अपनी सुपरहिट फिल्म 'तान्हाजी: द अनंसग वॉरियर की कहानी एक बार फिर लेकर आ रहे हैं। हालांकि, इस बार ये कहानी एक नए अंदाज में पेश की जाएगी। क्योंकि अजय देवगन और निर्माता दानिश देवगन ने अपने लेंस वॉल्ट स्टूडियोज (एलवीएस) के तहत आई निर्मित फिल्म 'बाल तन्हाजी की घोषणा की है। 2020 में रिलीज हुई ब्लॉकबस्टर फिल्म 'तन्हाजी: द अनसंग वॉरियर की ही दुनिया पर आधारित 'बाल तन्हाजी इस फिल्म की दुनिया को अनछुए पहलुओं की ओर ले जाएगी। यह एक एआई फिल्म होगी। यह कहानी को एक ऐसी पीढ़ी के लिए नए सिरे से प्रस्तुत करेगी, जो सिनेमाघरों से परे कहानियों में रुचि रखती है। इस मौके पर अजय देवगन ने कहा कि यह फिल्म स्टूडियो के भविष्य के लिए तैयार प्रोजेक्ट्स के निर्माण की दिशा में पहली शुरुआत है। लेंस वॉल्ट स्टूडियो की स्थापना कहानी कहने की पारंपरिक सीमाओं से आगे बढ़ने के लिए की गई थी। हमारा ध्यान उन फॉर्मेट और मीडियम पर है, जो अभी तक काफी हद तक अनछुए हैं। बाल तन्हाजी भविष्य के लिए तैयार कंटेंट निर्माण की इस यात्रा की शुरुआत है। साल 2020 में रिलीज हुई फिल्म 'तान्हाजी: द अनसंग वॉरियर का निर्देशन ओम राउत ने किया है। जबकि फिल्म को अजय देवगन फिल्म्स ने प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म 17वीं सदी के मराठा योद्धा सूबेदार तानाजी मालुसरे की कहानी पर आधारित है। फिल्म में काजोल ने तान्हाजी की पत्नी सावित्रीबाई की भूमिका निभाई है। जबकि सैफ अली खान फिल्म में निगेटिव किरदार में नजर आए हैं। उन्होंने महाराजा उदयभान सिंह राठौर की भूमिका निभाई है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी।

स्प्लिट्सविला के सेट पर बड़े हुए मेरे तीनों बच्चे : सनी लियोनी

सिनेमा जगत में कई सितारे अपने बच्चों को काम के करीब रखते हैं ताकि वे अपने माता-पिता की दुनिया को समझ सकें और जीवन के अनुभवों को जल्दी सीख सकें। सनी लियोनी भी यही तरीका आजमाती हैं। उन्होंने खुलासा किया कि उनके तीनों बच्चे स्प्लिट्सविला के सेट पर बड़े हुए हैं और उनके लिए यह अनुभव काफी सीखने वाला रहा है। सनी लियोनी ने कहा, मेरे बच्चे शुरू से ही स्प्लिट्सविला के सेट पर आते रहे हैं। बच्चों ने इस शो के सेट पर लगभग सात साल बिताए हैं। उन्होंने शो के काम और शूटिंग की प्रक्रिया को नजदीक से देखा है। पूरी टीम मेरे बच्चों को जानती है। सनी ने कहा, मेरे बच्चों के लिए यह अनुभव बहुत खास रहा है। मेरे पास कई तस्वीरें हैं, जिनमें बच्चे सेट पर स्विमिंग पूल में खेल रहे हैं। मुझे नहीं लगता कि बच्चों के शो देखने में कोई गलत बात है। बच्चों ने छोटी-छोटी बातें नोट की, जैसे किसी ने नियम क्यों तोड़े, या किसी ने धोखा क्यों दिया। वे समझ गए हैं कि गेम में लोग जीतने के लिए ऐसा करते हैं। सनी ने आगे कहा, पहले बच्चों को शो की चीजें समझ में नहीं आती थीं, फिर मैं उन्हें सरल शब्दों में समझाती थी। बच्चों ने धीरे-धीरे सीखना शुरू किया और अब वे शो के चैलेंज को देखकर मजा लेते हैं और टास्क को समझने की कोशिश करते हैं। वे पूरा शो नहीं देखते, बल्कि

केवल कुछ चुनिंदा हिस्से ही देख पाते हैं। देर रात होने वाली शूटिंग में वे सोने चले जाते हैं। सनी लियोनी और डेनियल वेबर ने 2011 में शादी की थी। कपल के तीन बच्चे हैंः बेटी निशा कौर वेबर, जिसे 2017 में गोद लिया गया था, और जुड़वां बेटे नूह और अशर, जो 2018 में सरोगेसी के जरिए पैदा हुए थे।

तेरे इश्क में ओटीटी पर तहलका मचाने के लिए तैयार, नेटफ्लिक्स पर होगी स्ट्रीम

धनुष और कृति सैनन की रोमांटिक-एक्शन फिल्म तेरे इश्क में अपने डिजिटल डेब्यू के लिए तैयार है। निर्माताओं ने आधिकारिक पोस्ट के जरिए फिल्म की रिलीज तारीख और स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म का खुलासा कर दिया है। धनुष के साथ रांझणा और अतरंगी रे जैसी फिल्में बना चुके आनंद एल राय ने तेरे इश्क में का निर्देशन किया है। यह फिल्म नवंबर, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और अब ओटीटी पर तहलका मचाने के लिए तैयार है। सिनेमाघरों में मिली-जुली प्रतिक्रिया हासिल करके और ठीक-ठाक प्रदर्शन करने के बाद, तेरे इश्क में 23 जनवरी,

2026 से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होना शुरू हो जाएगी। निर्माताओं ने पोस्ट के साथ कैप्शन दिया, आ रहा है वो इश्क जो दिल जोड़ भी दे, और तोड़ भी दे। फिल्म शंकर (धनुष) और मुक्ति (कृति) के बीच इश्क, जुनून और बदले की आग में सुलगती दुखद प्रेम कहानी पर आधारित है। आईएमडीबी पर इस फिल्म को 7.5 की रेटिंग दी गई है।

वेंकटेश और त्रिविक्रम की फिल्म आदर्श कुटुंबम की रिलीज़ डेट आगे बढ़ी

विक्ट्री वेंकटेश, हरिका हसीन प्रोडक्शंस के बैनर तले बनने वाली बहुप्रतीक्षित फिल्म आदर्श कुटुंबम इनटू नंबर 47 के लिए डायरेक्टर त्रिविक्रम के साथ काम कर रहे हैं। हिट फिल्म संक्रांति की वस्थुन्नम के बाद फैंस इस पावरफुल जोड़ी से और भी ज़्यादा उम्मीदें लगाए बैठे हैं। त्रिविक्रम, जिन्होंने वेंकटेश की पिछली हिट फिल्में नुव्वु नाकु नच्चाव और मल्लेश्वरी की स्क्रिप्ट लिखी थी, इस प्रोजेक्ट को बड़ी उम्मीदों के साथ आगे बढ़ा रहे हैं। शूटिंग हाल ही में शुरू हुई है, जिसका मकसद शुरू में 2026 की गर्मियों में रिलीज़ करना था। लेकिन इंडस्ट्री में चल रही खबरों के मुताबिक, इसमें बदलाव हो सकता है और दशहरा 2026 की रिलीज़ ज़्यादा बेहतर हो सकती है, जिससे फेस्टिव फैमिली ऑडियंस को टारगेट किया जा सके। प्रभास की फौजी भी 2026 के आखिर में रिलीज़ होने वाली है, इसलिए ट्रेड सूत्रों का मानना है कि आदर्श कुटुंबम के लिए दशहरा एक सुरक्षित दांव हो सकता है। केजीएफ एक्ट्रेस श्रीनिधि शेट्टी, वेंकटेश के साथ जोड़ी बना रही हैं, और हिट 3 और तेलुसु कदा जैसी अपनी तेलुगु फिल्मों से एक्साइटमेंट बढ़ा रही हैं। आदर्श कुटुंबम के बाद, वेंकटेश शायद एक यंग लीड के साथ किसी प्रोजेक्ट पर काम कर सकते हैं, जबकि त्रिविक्रम संक्रांति की वास्थुन्नम से भी बड़ी हिट का लक्ष्य बना रहे हैं। त्रिविक्रम का अगला बड़ा प्लान, एनटीआर के साथ एक माइथोलॉजी फिल्म, शायद अभी पीछे चला जाए क्योंकि एनटीआर नील के साथ एक प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। त्रिविक्रम एनटीआर सागा के तुरंत शुरू होने की उम्मीद नहीं है। एक दमदार कास्ट और डायरेक्टर के साथ, आदर्श कुटुंबम एक फैमिली एंटरटेनर बनने जा रही है जिसे देखना चाहिए।

दो दीवाने सहर में का टीजर हुआ रिलीज, एक-दूजे के इश्क में डूबे नजर आए सिद्धांत चतुर्वेदी और मृणाल ठाकुर

जी स्टूडियोज और भंसाली प्रोडक्शंस की आने वाली फिल्म दो दीवाने सहर में का शानदार टीजर रिलीज हो चुका है, जिसे देख आपको पुरानी फिल्मों की लव स्टोरी याद आ जाएगी। इस अनोखे रोमांटिक ड्रामा का टीजर आखिरकार रिलीज हो गया है और यह एक ऐसी प्रेम कहानी है जो कई रोमांटिक और इमोशनल पलों से भरपूर है, जहां पहले लुक ने हमें दो अधूरे लोगों के बीच की एक परफेक्ट लव स्टोरी दिखाई है तो वहीं टीजर एक ऐसे मॉडर्न रोमांस की भी झलक पेश की, जो बहुत ही खूबसूरत है। एक अच्छी पुरानी रोमांटिक फिल्म दर्शकों को इम्प्रेस करने में कभी फेल नहीं होती और शायद ये फिल्म भी सभी को पसंद आए। डायरेक्टर रवि उदयावर इस वैलेंटाइन्स डे पर दो दीवाने सहर में लेकर आ रहे हैं। सिद्धांत चतुर्वेदी और मृणाल ठाकुर अपनी आने वाली इम्परफेक्टली परफेक्ट लव स्टोरी से दर्शकों को दीवाना बनाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। दो दीवाने सहर में के टीजर की शुरुआत एक सीधे-सादे, शर्मीले लड़के शशांक से होती है, जो रोशनी के घर पर उनके माता-पिता के साथ बैठा है। ऐसा लगता है कि वह अरेंज मैरिज के जरिए अपनी होने वाली दुल्हन से मिलने आया है, लेकिन रोशनी अपने होने वाले पति और घर के इस फॉर्मल माहौल को देखकर खुश हो जाती है। निर्माताओं ने वीडियो शेयर कर लिखा, क्योंकि हर इश्क परफेक्ट नहीं होता, पर काफी होता है। गवाह इस शहर की एक अपूर्ण परफेक्ट प्रेम कहानी। रवि उद्यावर द्वारा डायरेक्टेड यह आने वाली फिल्म जी स्टूडियोज, रेनकॉर्प

मीडिया और भंसाली प्रोडक्शंस द्वारा बनाई जा रही है। फिल्म में सिद्धांत और मृणाल लीड रोल में हैं। उनके साथ इला अरुण, जॉय सेनगुप्ता, आयशा रजा, संदीप धर, नवीन कौशिक और कई अन्य कलाकार भी हैं। जो लोग नहीं जानते उन्हें बता दें कि दो दीवाने शहर में 20 फरवरी, 2026 को बड़े पर्दे पर रिलीज होने वाली है। सिद्धांत चतुर्वेदी और मृणाल ठाकुर इस साल की सबसे प्रॉमिसिंग ऑन-स्क्रीन जोड़ियों में से एक हैं और उनकी केमिस्ट्री टीजर में साफ देखने को मिल रही है, जो सोशल मीडिया यूजर्स को पसंद भी आ रही है।

ED arrests Gurgaon's Richa Industries promoter for cheating banks

laundering assets during firm's insolvency

NEW DELHI,AGENCY: ED on Thursday arrested Sandeep Gupta, promoter of Richa Industries Ltd, from Gurgaon after it was found that he had not only cheated banks of hundreds of crores of rupees but had also allegedly laundered the company's valuable assets, when it went to insolvency, by diverting them to shell entities floated by him and his associates. Gupta was remanded to eight days of ED custody by a special court in Gurgaon.

The probe is one of the many the agency has launched into fraud cases related to corporate insolvency where assets were allegedly siphoned off before the companies were sold, with lender banks forced

to take haircuts of up to 90-95% of their outstandings.

In a similar case, ED recently shared information with the Delhi Police for registering an FIR against Suraksha, which had acquired Jaypee Infratech Ltd (JIL) through insolvency, but has now been accused of siphoning off prime commercial properties and hospitals of JIL, laundering proceeds through shell entities beneficially owned by the promoters and their family members.

In the Richa Industries Ltd (RIL) case, the corporate insolvency resolution process initiated in 2018 reached a dead end in absence of an approved resolution plan, leading the National Company Law Tribunal (NCLT) to order liquidation on June 11 last year. A liquidator was appointed and the sale of RIL yielded Rs 40 crore to public sector Indian Overseas Bank (IOB) and Union Bank against admitted claims of Rs 696 crore, an approximate 94% haircut, ED said.

The agency has accused Gupta of a "concerted conspiracy" to siphon off the company's assests and subvert the corporate insolvency resolution process (CIRP).

"Investigation found that in Oct 2018, just before initiation of CIRP, RIL issued corporate guarantees of over Rs 232 crore to six entities, all signed by Gupta. These beneficiary entities collectively held 48.25% voting rights in the Committee of Creditors (CoC), effectively blocking IOB and Union Bank from independently steering or approving any resolution. The timing and concentration of guarantees indicate deliberate structuring to influence CoC control during insolvency proceedings," ED has said.

To subvert the insolvency process, it said, Gupta had incorporated a shell company, Saariga Constructions Pvt Ltd (SCPL), using former RIL employee Neha Singh as a 'benamidar'.

25-year-old man chased stabbed to death; 5 held

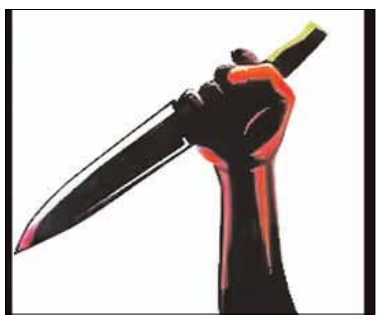

NEW DELHI, AGENCY: A 25-year-old man was allegedly stabbed to death by a group of youngsters in Outer Delhi's Mangolpuri on Wednesday evening. CCTV footage shows him being chased and attacked in front of onlookers. Police have arrested a 19-year-old Delhi University student and apprehended four minors in connection with the case.

The victim, a Mangolpuri resident, worked with his father at a local food cart. Police received a PCR call around 7 pm and found him lying in a pool of blood. He was rushed to hospital, where doctors declared him dead.

The one-minute CCTV clip shows a frantic chase ending with the man being cornered and stabbed repeatedly at a residential entrance. Several bystanders watched but did not intervene. An elderly man appeared with a stick as the attackers fled. The victim tried to seek refuge in a nearby house but was intercepted at the gate and stabbed about a dozen times. The assailants then dragged him back into the lane and continued the assault before escaping. A 24-year-old friend who was with the youth told TOI they were at a park with another friend when the group approached. "They attacked two of them. While one managed to escape, they caught hold of the other," he said.

Four arrested for robbing man of 40L at gunpoint

NEW DELHI, AGENCY: Four men have been arrested for allegedly robbing a man at gunpoint of around Rs 40 lakh in cash in the Shahbad Dairy area of outer north Delhi. Police said that the gunpoint robbery of Rs 39.7 lakh cash was reported on Tuesday, following which an FIR was registered at Shahbad Dairy police station. The probe revealed that the robbery was a pre-planned conspiracy allegedly hatched by associates of the victim. Police said they have recovered the complete stolen amount along with the victim's documents.

Warmest Jan day in 7 years, GRAP-III revoked

NEW DELHI, AGENCY: The mercury on Thursday soared to 27.1 degrees Celsius, seven degrees above normal, making Thursday the warmest Jan day in seven years. The maximum temperature on Jan 21, 2019, had reached 28.7 degrees Celsius.

The warm Thursday was due to consistent warm easterly winds and clear skies, leading to an increase in sunshine time. "Westerly winds are cold, while easterly winds are warm during this time of the year," said an official.

However, multiple spells of light rain, with thunderstorms, lightning and gusty winds are expected on Friday, so the mercury is expected to dip.

Projects of over 5cr to be on CM-Pragati portal

NEW DELHI,AGENCY: Pushing tighter supervision of govt works, chief minister Rekha Gupta on Thursday directed that all projects costing more than Rs 5 crore must be uploaded and updated within a week on the CM-Pragati portal, enabling direct monitoring from the highest level.

Chairing a review meeting with all department heads, CM made it clear that large-value projects would no longer be allowed to drift due to delays or poor coordination. "Every rupee spent must translate into visible results on the ground," she said, stressing that progress reports must reflect the actual status of the work.

The meeting, also attended by chief secretary Rajiv Verma, focused on tracking timelines, removing bottlenecks, and ensuring accountability in high-cost infrastructure and development projects. The departments were instructed to ensure regular and

accurate updates to enable corrective action in real time. Gupta also underlined the need for transparency, directing departments to keep citizens informed through public portals.

She directed all departments to complete advance planning to avoid any disruption to essential services like water and power supply during summer.

Pashmina & wool in spotlight at Ladakh textile exhibition

NEW DELHI,AGENCY: The colours, textures, and traditions of Ladakh have travelled far beyond the mountains to a new exhibition in Delhi. Showcasing Ladakhi textiles, Between Wind And Wool: Ladakh Design Today is currently on display at the Innovation Gallery at the National Crafts Museum & Hastakala Academy. The exhibition, part of the Innovation Gallery housed within Textile Gallery II: Tradition & Innovation - a platform dedicated to contemporary interpretations of India's craft traditions - highlights the evolving textile and design legacy of the region.

Ladakh beyond the landscapes: Padma Saldon, one of the participating designers, shares that this exhibit (on the left) is like a mood board for her. "It is the

amalgamation of different Ladakhi cultures. Starting with the silhouette, it is as it is. I have tried to incorporate all the colours from the monasteries of Ladakh. And the motifs are also auspicious symbols in our ceremonies. And along with that, the cloak you see, it is called bok ; that is something we wear during ceremonies. I have tried to pick up different elements from different parts of Ladakh and combine them together to represent this piece," said the designer.\She added, "Ladakh has so much to offer other than the landscape, which is, of course, beautiful, but I am trying to shine a light on textiles. Since it is a travel destination, people see the locals wearing the traditional dress, but as a designer, I try to promote it."

Designer Stanzin is rede?ning Ladakhi pashmina by bringing its true texture and craft to the forefront.

'Email not valid': Arvind Kejriwal acquitted in ED summons case; what Delhi court said

NEW DELHI,AGENCY: Issuing summons by email is not valid or legal under Code of Criminal Procedure (CrPC) or Prevention of Money Laundering Act (PMLA), a Delhi court said on Thursday as it acquitted former chief minister Arvind Kejriwal for skipping multiple Enforcement Directorate (ED) summonses asking him to join its probe in the excise policy case.

The court said the agency failed to prove that Kejriwal had intentionally disobeyed the summonses, while noting that he was a serving chief minister at that time and "he too enjoyed his fundamental right of movement".

Additional chief judicial magistrate Paras Dalal said, "Neither the service of sum-

mons through emails has been proved by ED... nor the process of issuing summons to any person under Section 50(2) of PMLA via email has been proved to be in accordance with the law."

In all, nine summonses were issued to Kejriwal, according to the agency. It alleged that he had raised frivolous objections and deliberately created grounds for not joining the investigation. The probe stems from a case registered by Central Bureau of Investigation (CBI) in 2022 on a complaint of lieutenant governor V K Saxena in connection with alleged irregularities in the excise policy, which was ultimately scrapped. Last week, a CBI court heard arguments about the case.

Noting that the directorate "definitely missed the opportunity" to guide its officers on how the summonses should have been served, Dalal said that even if "for the sake of argument, these summonses are admitted to be proved, the entire process is antithetical to the rule of law".

Dalal underlined that the summonses were neither served personally on the accused nor through "extended" or "substituted" modes by observing due diligence.

Intel alert on drones, fake passes & IEDs in disguise

NEW DELHI,AGENCY: Security agencies have issued an alert ahead of Republic Day celebrations, warning of a shift in the strategies of hostile entities who are increasingly bypassing traditional methods for technologically advanced attack vectors.

Terrorists may attempt impersonation using fake passes, service uniforms and official labels to access secured locations, an input conveyed to police says. The advisory also warns of improvised explosive devices (IEDs) disguised as everyday objects such as tiffin boxes, torches, cameras, toys and perfume bottles, which can be fabricated using instructions easily available online.

The intelligence report notes that with security forces becoming adept at countering known threats, inimical groups are prioritising non-conventional methods. The alert also flags the risk of internal subversion.

Agencies are particularly concerned about unmanned aerial systems and drone technology, which have emerged as key tools for smuggling arms and explosives across borders. Recent data shows a sharp spike in unauthorised drone movements in Punjab, Jammu and Kashmir, and Rajasthan. As part of routine measures, agencies have widened the security net to include para-gliders and hang-gliders, following intelligence that groups like Lashkar-e-Taiba (LeT) and Sikh extremist outfits have procured such equipment. Officials are alarmed at increased chatter on suspicious platforms with keywords like "26-26".

Hands That Build Delhi Brick By Brick Out Of Welfare Framework

NEW DELHI, AGENCY: On paper, the welfare framework for Delhi's construction workers promises them wide-ranging support in almost all spheres of life: from maternity care, pension, housing, healthcare, education and even free daily commute on govt buses.

However, many of the intended beneficiaries had a blank look when TOI asked them about the schemes. Bitto, a marble and tile worker from Mangolpuri, didn't know his children are eligible for education assistance.

Preeti, a construction worker and mother of two who received a subsistence allowance during the recent GRAP-enforced restrictions, asked, "Yeh kya hota hai?"

For many of them, being aware of the eligibility conditions come later; the first barrier is knowing that the schemes exist.

The capital has about 2.6 lakh registered construction workers, more than half of them women. Around 80% are between 31 and 50 years of age - a period when maternity care, schooling costs, healthcare and housing support matter the most.

However, these benefits reach only a single-digit percentage of these workers. In this financial year so far, 818 have availed themselves of maternity benefits - highest in years. Education assistance has reached only 198 beneficiaries, 156 have received marriage aid, and death or funeral assistance have reached only 30 families.

Pension data tells a similar story. Though the work-ers are eligible for it when they turn 60, records show only 61 pension payments have been made this financial year. There is no clear public data on disability pensions, making it difficult to assess the reach of this support meant for workers permanently rendered unfit by accidents or illness, despite this category being vulnerable.

Year-wise data shows that overall beneficiary numbers peaked at 17,748 in 2022-23, driven largely by a one-time clearance of over 14,000 pending school education claims. Disbursements fell by more than 90% to 1,416 in 2023-24 and slightly rose to 1,723 in 2024-25. Several schemes, including medical assistance and free DTC bus passes, have virtually vanished from recent payout records.